● वर्ष-3
● अंक-217
रायपुर, रविवार
21 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› ऋतिक-जू. एनटीआर स्टारर वॉर 2....

कांग्रेस को देश से समूल नष्ट करना है: मुख्यमंत्री साय

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री साय ने दो जनसभाओं को किया सम्बोधित, वीडी शर्मा के लिए की वोट अपील

रायपुर/कटनी/पन्ना। आजादी के बाद कांग्रेस ने देश में 55-60 वर्षों तक एक छत्र राज किया और अनेकों राज्यों में वर्षों-वर्षों तक राज किया। लेकिन लूट-लूट कर देश को खोखला करने का काम किया। कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की जननी है। कांग्रेस के शासनकाल में जितने भी प्रधानमंत्री हुए लगभग सबके ऊपर कोई न कोई घोटाले का आरोप है। राजीव गांधी पर बोफोर्स घोटाला जैसा बड़ा आरोप है। तो वहीं मनमोहन सिंह की सरकार में ऐसा कोई भी दिन नहीं था, जब घोटाले की नई-नई खबर अखबार में न आती हो कोयला घोटाला, 2जी घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला इसके उदाहरण हैं। ऐसी कांग्रेस का समूल नाश करना है।

अपने एक दिवसीय दौरे में मध्यप्रदेश पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खजुराहो लोकसभा के अंतर्गत दो बड़ी जनसभाओं को संबोधित किया। जहाँ उन्होंने कांग्रेस को जमकर लताड़ा।

श्री साय ने कहा कि इतनी तपती गरमी में आप लोग भाजपा को समर्थन देने आए हैं, जिससे स्पष्ट है कि कांग्रेस का खात्मा तय है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी को कोसते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश को धोखा देने, लूटने का काम किया है। कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था लेकिन, खुद ही गरीबी को बढ़ाया। इनके एक प्रधानमंत्री ने तो जनता के बीच कहा था कि हम दिल्ली से एक रुपया भेजते हैं जो गरीबों तक केवल 15 पैसा ही पहुँचता है। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस ने ही भ्रष्टाचार को बढ़ाया और खूब घोटाला भी किया। उन्होंने कहा कि आज मोदी जी अगर एक रुपया भेजते हैं तो वो शत-प्रतिशत लोगों तक पहुँचता है। ये अंतर है भाजपा और कांग्रेस की सरकार में। उन्होंने इंडी गठबंधन पर कहा कि कांग्रेस साफ़ है और

उसकी सहयोगी सपा का भी साइकिल पंचर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ये चुनाव देश के देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। एक चायवाले, गरीब के बेटे मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों के लिए दिन-रात काम करते हैं। 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। वो देश के गांव, गरीब, मजदूर, किसान सबकी चिंता करते हैं। मोदी जी ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास को मूलमंत्र मानते हुए सबका विकास किया, सबको समृद्ध बनाया। उन्होंने पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया, भारत का डंका बजाया। मोदी जी ने अपनी दूरदृष्टि से भारत को आर्थिक स्थिति की दृष्टि से 11वें स्थान से 5वें स्थान पर लाया। उन्होंने कहा कि हमें विकसित भारत बनाना है इसलिए मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना जरूरी है। ये चुनाव मोदी जी के नेतृत्व में भारत 2029 तक दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बने इसका चुनाव है।

श्री साय ने कहा कि मेरा सौभाग्य था कि 2014 में मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में एक सांसद-राज्यमंत्री के रूप में मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ कार्य करने का अवसर मिला। मैंने करीब से देखा कि मोदी जी की पहली प्राथमिकता में देश के गरीबों का विकास है, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। मोदी जी ने गरीबों को आवास, गैस-सिलेंडर, जनधन बैंक खाता और शौचालय देने का काम किया। 18 हजार गांवों में बिजली पहुंचाई। मोदी जी ने अपने दूसरे कार्यकाल में बड़े-बड़े वादों को पूरा किया। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण करवाया, कश्मीर से धारा 370 को शांतिपूर्वक हटाया, ट्रिपल तलाक जैसे जटिल कानून को हटाकर मुस्लिम माताओं-बहनों संग न्याय किया। मोदी जी ने गांव, गरीब, किसान, मजदूर सबकी सेवा की, सबको समृद्ध बनाया। आज भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए हमें पुन: उनको प्रधानमंत्री बनाना होगा, ये आशीर्वाद मैं आप सभी से मांगने आया हूँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासियों का कोई विकास नहीं किया। उसे केवल बंधुआ मजदूर समझा, वोट बैंक समझा। जबकि भाजपा ने आदिवासियों का भरपूर सम्मान किया, कर रही है और आगे भी करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता श्रद्धेय अटल जी ने आदिवासियों के हित के लिए अलग से आदिम जाति कल्याण मंत्रालय बनाया, जहाँ आदिवासी मंत्री पदभार संभालते हैं और बजट की कोई कमी नहीं होती है। आज एक आदिवासी परिवार की बेटी, बहन द्रौपदी मुर्मू जी देश की राष्ट्रपति हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का दायित्व नरेंद्र मोदी जी ने मुझे सौंपा है। इसलिए हम कह सकते हैं कि आदिवासियों का हित भाजपा में ही सम्भव है। क्योंकि भाजपा में लोकतंत्र है, कार्यकर्ताओं का सम्मान है। जबकि अन्य पार्टियों में परिवारवाद है, अयोग्य लोग ही पार्टी में अपना प्रभुत्व चला रहे हैं। मुख्यमंत्री ने खजुराहो लोकसभा के अंतर्गत दो बड़ी जनसभाओं को सम्बोधित किया। जहाँ जनता द्वारा मिले आत्मीय प्यार और स्वागत से वो अभिभूत दिखे। उन्होंने इसके लिए जनता का आभार जताया और कहा कि पहले छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश एक थे। लेकिन 1 नवंबर 2000 को अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। इसलिए मध्यप्रदेश हमारा बड़ा भाई है और हम छोटे भाई हैं।

गर्मी में थाइलैंड चले जाते हैं राहुल

मथुरा में बोले अमित शाह, पहले चरण में ही कांग्रेस-सपा का हो गया सूपड़ा साफ

मथुरा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश की आठ सीटों पर हुए पहले चरण के मतदान में कांग्रेस-सपा गठबंधन का सफाया हो गया। शाह ने वृन्दावन में भाजपा उम्मीदवार हेमा मालिनी के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आपको पहले चरण का नतीजा बता दूं, किसी को मत बताना, मैं आपको बताऊंगा- पहले चरण में कांग्रेस, सपा का सफाया हो गया है। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में भी इस यात्रा को जारी रखते हुए, वृंदावन से काशी तक कमल को विजयी बनाना है। शाह ने कहा कि 70 वर्षों तक, कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर को लटकाए रखा। मोदी जी ने 5 वर्षों में ही राम मंदिर का केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और प्राण प्रतिष्ठा भी की। कांग्रेस और सपा को प्राण-प्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया गया, लेकिन वोट बैंक के लालच में ये राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में भी नहीं गए। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने देश को समृद्ध किया है, देश के अर्थतंत्र को 11वें नंबर से 5वें नंबर पर लाने का काम किया है। मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दो, भारत, दुनिया का तीसरे नंबर का सबसे बड़ा अर्थतंत्र बन जाएगा। ये मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी वो नेता हैं, जिन्होंने किसानों की भूमि को सुरक्षित करने का काम किया है।

राहुल-अखिलेश ने एक साथ की जनसभा

जातीय जनगणना पर रहा जोर, भाजपा पर निशाना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने 20 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में मिनी स्टेडियम, गांधी प्रतिमा पर एक संयुक्त रैली को संबोधित किया। दोनों ने इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार कुँवर दानिश अली के लिए प्रचार किया। पूर्व बसपा नेता और अमरोहा से मौजूदा सांसद अली लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गए। राहुल गांधी ने कहा कि अगर विपक्ष की सरकार बनी तो चुनाव के बाद आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं का मासिक वेतन दोगुना कर दिया जाएगा। राहुल ने कहा कि सरकारी क्षेत्र में 30 लाख पद खाली हैं। चुनाव के बाद हम ये पद युवाओं को देंगे। उन्होंने भाजपा सरकार पर हमला किया और उस पर बैंकों का सारा पैसा कुछ अमीर लोगों को देने का आरोप लगाया।

कर्नाटक में गरजे पीएम मोदी, कहा-

आज भारत अनुयायी नहीं बल्कि प्रथम प्रस्तावक है

चिक्काबल्लापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के चिक्काबल्लापुर में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस मौके पर जेडीएस प्रमुख एचडी देवेगौड़ा भी मौजूद थे और उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा किया। इस निर्वाचन क्षेत्र में 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान होगा। सात चरण के आम चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने और उनकी सरकार ने लोगों के लिए कड़ी मेहनत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पीएम मोदी ने कहा लोकसभा चुनाव का पहला चरण एनडीए और विकसित भारत के पक्ष में गया है। आज मैं अपने रिपोर्ट कार्ड के साथ आपका आशीर्वाद लेने के लिए आप सभी के बीच आया हूं... आपके लिए, मैंने कड़ी मेहनत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आपका सपना मेरा संकल्प है। मेरे जीवन का हर सेकंड 2047 के लिए 24/7 समर्पित है... मैं सिर्फ नीतियां नहीं बनाता, मैं गारंटी भी देता हूं। प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में एससी, एसटी और ओबीसी परिवार झुग्गियों में रहने को मजबूर थे, लेकिन 2014 में उनकी सरकार बनने के बाद उनका विश्वास बहाल हुआ। उन्होंने कहा मोदी सरकार के सबसे बड़े लाभार्थी एससी, एसटी और ओबीसी परिवार हैं। पिछली सरकारों में, एससी, एसटी और ओबीसी परिवारों को झुग्गियों में रहने के लिए मजबूर किया गया था, उनके पास बिजली और पानी तक पहुंच नहीं थी।

प्रमुख समाचार

दूरदर्शन लोगो का रंग लाल से बदलकर केसरिया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्रसारक दूरदर्शन ने अपने ऐतिहासिक लोगो का रंग लाल से बदलकर केसरिया कर दिया है। यह घोषणा डीडी न्यूज़ के आधिकारिक एक्स हैंडल के माध्यम से की गई थी। अब इसको लेकर विवाद छिड़ गया है। विपक्षी खेमा इसकी आलोचना कर रहा है। दूरदर्शन के अंग्रेजी समाचार चैनल डीडी न्यूज ने हाल ही में एक्स पर एक नया प्रमोशनल वीडियो साझा करते हुए अपने लोगो का खुलासा किया।वीडियो के साथ डीडी न्यूज ने लिखा, हमारे मूल्य वही हैं, हम अब एक नए अवतार में उपलब्ध हैं। एक ऐसी समाचार यात्रा के लिए तैयार हो जाइए जो पहले कभी नहीं देखी... बिल्कुल नए डीडी न्यूज का अनुभव लें। हालांकि, विपक्ष इस बदलाव से नाराज दिख रहा है। इस कदम की राज्यसभा सदस्य और प्रसार भारती (डीडी, एआईआर) के पूर्व सीईओ, जवाहर सरकार ने आलोचना की है। जवाहर सरकार ने कहा कि वह इस कदम से राष्ट्रीय प्रसारक का भगवाकरण होते देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूरदर्शन ने अपने ऐतिहासिक फ्लैगशिप लोगो को भगवा रंग में रंग दिया है।

देश आपराधिक न्याय प्रणाली में अहम बदलाव को तैयार

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने नए आपराधिक न्याय कानूनों को समाज के लिए एक ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने शनिवार को कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है। वहीं, उन्होंने नागरिकों से आम चुनाव में मतदान करने का अवसर न चूकने का आग्रह किया। सीजेआई चंद्रचूड़ अपराध के न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत के प्रगतिशील मार्ग पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि नए कानून तब सफल होंगे, जब हम इसे स्वीकार करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि नए लागू कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ितों के हितों की रक्षा करने और अपराधों की जांच के लिए यह बदलाव करना बहुत जरूरी था। सीजेआई ने आगे कहा कि संसद द्वारा नए कानूनों पर मुहर लगाना इस बात का संकेत है कि देश बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है तथा मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए उसे नए कानूनी उपायों की आवश्यकता है।

मुरादाबाद से भाजपा उम्मीदवार सर्वेश सिंह का निधन

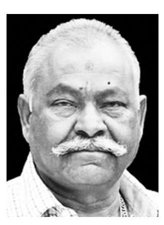

मुरादाबाद। पूर्व सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह (72) की दिल्ली स्थित एम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। वे लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। निधन की जानकारी मिलने पर पार्टी में शोक की लहर फैल गई। मुरादाबाद लोकसभा के प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। नामांकन करने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई। इसी कारण वह चुनाव प्रचार में भाग नहीं ले सके। पूर्व सांसद के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि शुक्रवार को वह अपने मेडिकल चेकअप कराने के लिए दिल्ली स्थित एम्स गए थे। वहां इलाज के दौरान शाम को उनकी मौत हो गई। निधन की जानकारी मिलने पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने शोक जताया है। प्रदेश अध्यक्ष रविवार को उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लखनऊ से आएंगे। बता दें कि भाजपा के कुंवर सर्वेश कुमार सिंह ठाकुरद्वारा विधानसभा सीट से वर्ष 1991, 1993, 1996, 2002 औप 2012 में (पांच बार) विधायक निर्वाचित हो चुके थे। वह वर्ष 2014 में सांसद रह चुके थे। 2019 में उन्हें सपा के एसटी हसन ने हरा दिया था।

ईडी की हिरासत में अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश

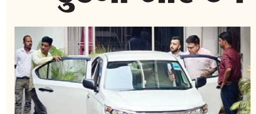

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने छत्तीसगढ़ में दो हजार करोड़ के शराब घोटाला मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की टीम ने रिटायर्ड आईएएस ऑफिसर अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश टुटेजा को हिरासत में लिया है। आबकारी घोटाला मामले में पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और यश टुटेजा अपना बयान दर्ज करवाने के लिए एसीबी और ईओडब्ल्यू कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान ईडी की टीम अनिल टुटेजा और यश टुटेजा को एसीबी और ईओडब्ल्यू ऑफिस से अपनी कार में बैठाकर रवाना हो गई। बता दें कि एसीबी और ईओडब्ल्यू ने शराब घोटाला केस में अनिल टुटेजा और यश टुटेजा का नाम भी शामिल है। नई एफआईआर में दोनों का नाम दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि ईडी ने पूछताछ के लिए दोनों को हिरासत में लिया है। ईडी ने ईओडब्ल्यू कार्यालय में दोनों से करीब 5 घंटे तक पूछताछ की। ईडी की जांच के मुताबिक, पूर्व कांग्रेस सरकार में उच्च स्तरीय अधिकारियों, निजी व्यक्तियों और राजनीतिक अधिकारियों वाला एक सिंडिकेट काम कर रहा था।

एलन की यात्रा स्थगित, उन्होंने दीवार पर लिखी इबारत पढ़ी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह अजीब है कि एलन मस्क एक निवर्तमान प्रधान मंत्री से मिलने के लिए आ रहे थे। कांग्रेस नेता ने पोस्ट किया, उन्होंने भी अब दीवार पर लिखी इबारत पढ़ ली है और अपनी यात्रा टालने का फैसला किया है। इंडिया के प्रधानमंत्री जल्द ही उनका स्वागत करेंगे और भारत सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को और भी अधिक आक्रामक तरीके से बढ़ावा देगी। आपको बता दें कि एलन मस्क ने टेस्ला के दायित्वों का हवाला देते हुए अपनी भारत यात्रा टाल दी और कहा कि वह इस साल के अंत में भारत का दौरा करेंगे। इस यात्रा का इंतज़ार किया जा रहा था क्योंकि टेस्ला भारतीय बाज़ार में प्रवेश करने की योजना की घोषणा कर सकता था। शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर लिखा कि क्या यह सच है कि एलन मस्क को लगा कि उन्हें बीजेपी जुमला प्रचार में खींच लिया जाएगा और इसलिए उन्होंने अपनी यात्रा स्थगित कर दी है? भारत में मैराथन चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के दो दिन बाद 21 अप्रैल को एलन मस्क की दो दिवसीय यात्रा शुरू होने वाली थी।

घने जंगल में सीआरपीएफ के जवानों को नक्सली कर रहे गुमराह

जितेंद्र भारद्वाज

माओवादी चरमपंथ प्रभावित जिलों के घने जंगलों में सीआरपीएफ के नियमित ऑपरेशनों से नक्सली थर्रा उठे हैं। लगातार चल रहे अभियान में नक्सली मारे जा रहे हैं या वे खुद को सुरक्षा बलों के समक्ष सरेंडर कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कह चुके हैं कि तीन साल के भीतर नक्सलियों का पूर्ण रूप से सफाया हो जाएगा। इन सबके बीच नक्सलियों का कैडर बौखला उठा है। नतीजा, वे किसी भी तरह से सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इसके लिए वे इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोटक की मदद ले रहे हैं।

घने जंगल में सीआरपीएफ कमांडो को गुमराह करने के लिए नक्सलियों ने अब नई हरकतें करनी शुरू कर दी हैं। जवानों के दस्ते को एक लेन में चलने से रोकने का प्रयास करते हैं।

आसपास के इलाके में विस्फोट या गोलीबारी कर सीआरपीएफ दस्ते को अपनी तय दिशा से हटाने की कोशिश करते हैं। वजह, जैसे ही सुरक्षा बलों का दस्ता, एक दो मीटर इधर-उधर होता है, वह नक्सलियों द्वारा दबाई गई प्रेशर आईईडी की चपेट में आ जाता है। खोजी कुत्ता आगे चलता है, मगर रास्ते में सुगंधित पदार्थ डालकर वे कुत्ते को गुमराह कर देते हैं। इसके बावजूद सीआरपीएफ ने नक्सलियों के गढ़ में नए कैंप स्थापित कर उन्हें खदेड़ दिया है।

लगातार चोट से बौखलाए नक्सली- सूत्रों के मुताबिक, सीआरपीएफ महानिदेशक अनीश दयाल सिंह ने पिछले दिनों कहा था कि देश में नक्सलवाद, अब ज्यादा समय तक नहीं टिकेगा। धुर नक्सल प्रभावित इलाकों में नक्सलवाद पर आखिरी प्रहार करने के उद्देश्य से 31 नए फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए गए हैं। इतना ही नहीं, डीजी अनीश दयाल सिंह, खुद फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस का दौरा कर रहे हैं। वे जवानों और अफसरों का उत्साह बढ़ा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। सीआरपीएफ की लगातार चोट से नक्सली बौखला गए हैं। वे अब, सुरक्षा बलों के साथ सीधी टकराहट से बचते हैं। उन्होंने आईईडी विस्फोट की मदद लेनी शुरू कर दी है। कई वर्ष पहले नक्सलियों द्वारा सड़क पर आईईडी लगाकर सुरक्षा बलों के वाहनों को निशाना बनाया जाता था। अब उस तरह की घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लग गया है। नक्सलियों ने अब जवानों के दस्ते को आईईडी विस्फोट से नुकसान पहुंचाने की रणनीति बनाई है।

नक्सलियों ने कहां पर लगाई है आईईडी- जानकारी के अनुसार, घने जंगल में सीआरपीएफ कमांडो को गुमराह करने के मकसद से नक्सली, अब कई तरह के तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। जंगल में किसी भी ऑपरेशन पर निकलते समय, सीआरपीएफ द्वारा विशेष नियमों का पालन किया जाता है। इसे एसओपी भी कहते हैं। जैसे सुरक्षा बल के दस्ते को एक तय लाइन पर

चलना होता है। वजह, जंगल में यह मालूम नहीं होता कि नक्सलियों ने कहां पर आईईडी लगा रखी है। वहां पर पेड़ पौधे, घास, सूखे पत्ते और झाड़ियां, इतनी सघन होती हैं कि उनमें कई बार आईईडी का अंदाजा नहीं मिलता है। एसओपी के मुताबिक, दस्ते के आगे एक जवान आईईडी डिटेक्टर लेकर चलता है। दूसरे नंबर पर जीपीएस मशीन वाला जवान रहता है। इनके साथ खोजी कुत्ता भी रहता है। तीसरे नंबर पर कंपनी कमांडर यानी सहायक कमांडेंट चलता है। उसके बाद जवान आगे बढ़ते हैं। यही वजह है कि सीआरपीएफ के अनेक जांबाज प्रेशर आईईडी विस्फोट में शहीद हो जाते हैं या उन्हें अपने शरीर के महत्वपूर्ण अंग खोने पड़ते हैं।

पेड़ की जड़ में आईईडी लगा देते हैं- नक्सलियों ने सुरक्षाबलों की एसओपी में सेंध लगाने के लिए कई तरह की हरकतें शुरू की हैं। जैसे, वे सीधे जमीन की बजाए, किसी पेड़ की जड़ में आईईडी लगा देते हैं। लोकसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान के दिन बीजापुर में चुनाव ड्यूटी के दौरान हुए आईईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट मनु एचसी, (52 बैच डीएजीओ), ई 62 बटालियन, घायल हो गए थे। उनकी कंपनी बीजापुर के चिहिका पोलिंग बूथ बैरमगढ़, में आउटर कॉर्डन ड्यूटी पर थी। प्रेशर आईईडी विस्फोट में अधिकारी के चेहरे और टांगों पर गंभीर चोट लगी है। दूसरी तरफ बीजापुर जिले के गलगम में चुनाव ड्यूटी के दौरान एक ब्लास्ट में सिपाही देवेंद्र कुमार सेठिया, शहीद हो गए थे।

शहीद जवान को नम आंखों से दी गई श्रद्धांजलि

■ गॉड ऑफ ऑनर के साथ दी अंतिम विदाई

जगदलपुर। धोबीगुड़ा के जिस घर में रहकर आरक्षक देवेंद्र सेठिया के आने पर आसपास के साथ ही लोगों में खुशी की लहर देखी जाती थी। आज उसी घर में शनिवार की सुबह जैसे ही आरक्षक देवेंद्र का पार्थिव शरीर पहुंचा तो सभी की आंखे नम हो गई। हर कोई आखरी बार देवेंद्र को देखना चाह रहा था। हर कोई उससे बात करने की कोशिश कर रहा था। कुछ माह पहले जब दियारी त्योहार मना कर जा रहा था, तब किसी ने भी नहीं सोचा था कि इसे आखिरी बार देख रहे है। हमेशा हंसते मुस्कुराते आने वाला देवेंद्र घर के साथ ही पूरे गांव के लोगों में आंसू देकर जाएगा।

शुक्रवार को हुए हादसे में देवेंद्र ने अपनी जान गवां दी थी, जिसके बाद शुक्रवार को मेडिकल कालेज डिमरापाल में जवान के पीएम होने के बाद शनिवार की सुबह नया बस स्टैंड 80 बटालियन सीआरपीएफ में जवान को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जहां सीआरपीएफ के आला अधिकारियों से लेकर बस्तर रेंज आईजी पी सुंदरराज भी मौजूद थे, जहां जवान को श्रद्धांजलि देने के बाद उसके पार्थिव शरीर को गृहग्राम के लिए रवाना किया गया।

बताया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र के ग्राम गलगम में सीआरपीएफ की पार्टी एरिया डोमिनेशन के लिए निकली थी। इसी दौरान यूबीजीएल ब्लास्ट होने से कांस्टेबल देवेंद्र के पैर, कमर और हाथ मे गंभीर चोट आई, जिसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। गंभीर हालत को देखते हुए उसे मेकाज हेलिकॉप्टर की मदद से भेजा गया। मेकाज पहुंचने से पहले देवेंद्र सेठिया शहीद हो गए। घटना की जानकारी लगते ही परिजनों से लेकर घर परिवार में शोक की लहर छा गई। वहीं जवान के पार्थिव शरीर को मेकाज में रखवाया गया है।

मां को नहीं हो रहा विश्वास नहीं रहा देवेंद्र

शहीद जवान देवेंद्र सेठिया का पार्थिव शरीर जैसे ही गृहग्राम पहुंचा तो वैसे ही उसकी मां अपने शहीद बेटे को देखने आ पहुंची। मां को अब भी विश्वास नहीं हो रहा है कि दो माह पहले जिस बेटे को खुशी-खुशी अपनी ड्यूटी पर जाने दिया था। अब उससे दोबारा कभी नहीं देख पाएगी, ना ही उसकी आवाज सुन पाएगी। जवान की शहादत की खबर का पता चलते ही गांव मे शोक की लहर छा गई।

शहीद जवान को परिवार ने दी श्रद्धांजलि

शहीद जवान को आज नए बस स्टैंड में सीआरपीएफ 80 बटालियन में बड़े अधिकारी सहित बस्तर आईजी ने श्रद्धांजलि दी। शहीद जवान को गार्ड आफ ऑनर दिया गया। इसके बाद शहीद जवान के पार्थिव शरीर को उजगदलपुर के धोबी गुड़ा भेजा गया। शहीद जवान का पार्थिव शरीर जैसे ही गांव पहुंचा तो पूरा गांव रो पड़ा।

आपाटोला मुठभेड़ पर माओवादियों ने जारी किया प्रेस नोट

कांकेर। आपाटोला मुठभेड़ पर माओवादियों ने एक प्रेस नोट जारी किया है। मारे गए सभी 29 माओवादियों की पहचान बताई गई। प्रेस नोट में सुरक्षाबलों पर 17 निहत्थे माओवादियों को जिंदा पकड़कर गोली मारने के आरोप लगाया है। 25 अप्रैल को नारायणपुर, कांकेर और मोहला मानपुर बंद रखने की अपील की है।

इसके साथ ही घटना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुखबिरी करवाकर घटना को अंजाम दिया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ बस्तर और पूरे छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं को निशाने पर लिया। एनकाउंटर के न्यायिक जांच की बात भी लिखी है। माओवादियों के उत्तर सब जोनल ब्यूरो ने प्रेस नोट जारी किया है।

गांव से पलायन किए गए लोगों को वीडियो कॉल कर वोट डालने की जा रही अपील

'घर आजा संगी, मतदान करे बर'

गरियाबंद। 'घर आजा संगी, मतदान करे बर' इस विशेष पहल के तहत पलायन किए गए जिले के लोगों को वीडियो कॉल कर मतदान दिवस में घर आकर वोट डालने की अपील की जा रही है। जिले के 2 हजार से ज्यादा मतदाता दूसरे राज्य में मौजूद है। इनमें से 1067 मैनपुर ब्लॉक के हैं।

दरअसल, लोकसभा आम निर्वाचन 2024 अंतर्गत जिले में 26 अप्रैल को वोटिंग होगी। कलेक्टर दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में मतदान दिवस में सभी मतदाताओं को वोट डालने की अपील विभिन्न माध्यमों से की जा रही है। इसी कड़ी में जिला प्रशासन की ओर से विशेष पहल करते हुए विभिन्न कारणों से अपने निवास ग्राम से बाहर गए हुए या मजदूरी के लिए पलायन कर गए मतदाताओं को वीडियो कॉल के माध्यम से सूचना दी जा रही है।

उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए वीडियो कॉल के माध्यम से सूचना देकर मतदान के दिन घर आकर मतदान करने की अपील की जा रही है। गांव वार बाहर गए हुए मतदाताओं का चिन्हांकन कर उन्हें बीएलओ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और ग्राम पंचायत सचिव की ओर से वीडियो कॉलिंग करके मतदान करने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। साथ ही मतदान कर लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह भी किया जा रहा है। ग्राम बरभांठा के निवासी भागीरथी साहू सपरिवार किसी कारणवश गांव से बाहर है। उनको ग्राम बरभांठा के पंचायत सचिव ने वीडियो कॉल कर 26 अप्रैल को मतदान करने अपने गांव बरभांठा आने की अपील की। साथ ही उनके परिवार के अन्य मतदाता सदस्यों को भी साथ लाकर अवश्य मतदान करवाने की भी अपील की।

इसी प्रकार बाड़ीगांव, गंगराजपुर, टिकरापारा, गोहरापदार, खैरझीटी, मैनपुर कला, भेजीपदर, कोकड़ी, अमलीपदर, बुडगेलटप्पा, मदनपुर और फुलकर्रा समेत दो दर्जन गांव से ग्रामीणों को वीडियो कॉल कर 25 अप्रैल शाम तक अपने गांव पहुंचकर 26 अप्रैल को मतदान जरूर करने की अपील की गई है।

संभागायुक्त दुर्ग ने देर रात्रि मतगणना की तैयारियों का लिया जायजा

बेमेतरा। संभागायुक्त दुर्ग श्री सत्यनारायण राठौर ने आज देर रात्रि ज़िला मुख्यालय स्थित मंडी परिसर पहुँच कर मतगणना की तैयारियों का जायज़ा लिया। उन्होंने ज़रूरी सुझाव भी दिये। सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मतगणना उम्मीदवारों की निर्वाचित शक्ति का मापदंड होती है, इसलिए तैयारियों का समीक्षण महत्वपूर्ण है। संभागायुक्त श्री राठौर ने समय-समय पर मतदाताओं की संख्या, निर्वाचन केंद्रों की स्थिति, और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए सुनिश्चित करते हैं कि मतदाताओं को सुगमता से वोटिंग करने की सुविधा हो। संभागायुक्त ने मतगणना की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण मानते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाये कि कोई अनियमितता नहीं हो। इसके अलावा, उन्होंने निर्वाचन अधिकारियों की भी प्रशिक्षण जानकारी ली, ताकि वे सही तरीके से मतगणना कार्य कर सकें। मतगणना के परिणामों को सही तथा निष्पक्षता से घोषित करने के लिए संभागायुक्त ने सुनिश्चित करने कहा कि कोई भी गलती न हो। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने ज़िले की तीनों विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 68 साजा, 69 बेमेतरा और 70 नवागढ़ के मतदान दलों के प्रशिक्षण मतदान केंद्रों की जानकारी से अवगत कराया।

संभागायुक्त श्री राठौर ने समय-समय पर मतदाताओं की संख्या, निर्वाचन केंद्रों की स्थिति, और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए सुनिश्चित किया जाये कि मतदाताओं को सुगमता से वोटिंग करने की सुविधा हो। संभागायुक्त ने मतगणना की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण मानते हुए सुनिश्चित करने कहा कि कोई भी अनियमितता नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने निर्वाचन अधिकारियों की प्रशिक्षण की भी जिम्मेदारी भी सही तरीके से करने कहा मतगणना कार्य कर सकें। मतगणना के परिणामों को सही तथा निष्पक्षता से घोषित करने के लिए संभागायुक्त ने कहा कि कोई भी गलती न हो।

चुनाव में फिर उभर आया खैरागढ़ राज परिवार का विवाद

देवव्रत सिंह की पहली पत्नी के प्रचार पर दूसरी पत्नी को आपत्ति, वीडियो के जरिए लोगों को दिया संदेश

खैरागढ़। खैरागढ़ राज परिवार का विवाद राजा देवव्रत सिंह के निधन के बाद से ही शुरू हो गया था। लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान इस विवाद ने नया रंग, नया रूप ले लिया है। एक तरफ दिवंगत देवव्रत सिंह की पहली पत्नी पद्मा सिंह कांग्रेस का प्रचार कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर देवव्रत सिंह की दूसरी पत्नी पद्मा सिंह के प्रचार पर आपत्ति जताते हुए कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए मतदाताओं से भाजपा को मत देने की अपील की हैं।

बता दें कि खैरागढ़ के पूर्व विधायक राजा देवव्रत सिंह के निधन के बाद से उनकी पहली पत्नी पद्मा सिंह और दूसरी पत्नी विभा सिंह के बीच संपत्ति को लेकर विवाद चलता आ रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता होने के साथ राजनांदगांव से सांसद रहे देवव्रत सिंह और उनकी पहली पत्नी पद्मा सिंह के बीच सितंबर 2016 में तलाक हो गया था। दोनों ने आपसी समझौते के तहत तलाक लिया था, पत्नी से अलग होने के लिए देवव्रत को लगभग 11 करोड़ रुपए चुकाने पड़े थे।

तलाक के बाद देवव्रत सिंह ने विभा सिंह से विवाह कर लिया था, उसके बाद नवंबर 2021 में उनका हार्ट अटैक से निधन हो गया था। जिस समय देवव्रत सिंह का निधन हुआ, तब उनकी पत्नी विभा सिंह थीं, जबकि पूर्व पत्नी पद्मा सिंह से उन्होंने दिसंबर 2016 में तलाक ले लिया था। उस समय कोर्ट ने बेटी शताक्षी सिंह को पिता देवव्रत सिंह और बेटे आर्यव्रत सिंह को मां के साथ रहने के आदेश दिए थे।

देवव्रत के निधन के बाद अचानक संपत्ति विवाद सामने आया। इसे देखते हुए विभा सिंह ने प्रशासन से सील करने अपील की थी। जहां पर पहले उदयपुर पैलेस फिर खैरागढ़ स्थित कमल विलास पैलेस दोनों को सील कर दिया था। मामला अभी तक न्यायालय में लंबित है। ताज़ा मामला राजनांदगाँव लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है, जहां कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल के प्रचार में पद्मा सिंह खैरागढ़ क्षेत्र का लगातार दौरा करती दिखाई दे रही हैं।

भूपेश बघेल और पद्मा सिंह दे रहे जनता को धोखा

पूरे मामले पर रानी विभा सिंह ने वीडियो जारी करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल और पदमा सिंह पर कई आरोप लगाये और पद्मा सिंह को स्व। राजा देवव्रत सिंह की पत्नी बताने पर आपत्ति करते हुए रानी विभा सिंह ने आरोप लगाया है कि भूपेश बघेल और पदमा सिंह लगातार उनके पति दिवंगत देवव्रत सिंह के नाम का उपयोग करके खैरागढ़ और राजनांदगाँव की जनता को धोखा दे रहे हैं।

जिस पद्मा सिंह ने पहले ग्यारह करोड़ रुपए के लिए राजा देवव्रत सिंह को छोड़ा, फिर राजनांदगाँव, खैरागढ़ को छोड़ा, बच्चों को छोड़ा और पैसे लेकर किसी और के साथ शादी कर घर बसा लिया। उस पदमा सिंह को भूपेश बघेल बार-बार क्षेत्र में घुमा-घुमा कर उसको देवव्रत सिंह की पत्नी बता रहे हैं, और राजा साहब की मृत आत्मा और मुझे हर्ट कर के वोट कलेक्ट कर रहे हैं। और ये वहीं भूपेश बघेल हैं, जिन्होंने राजा देवव्रत सिंह को दुखी कर के कांग्रेस पार्टी से बाहर किया था, उनको पार्टी में खून के आंसू रुलाए गए।

उन्होंने अपनी ज़िंदगी की आख़िरी सांसें दूसरी पार्टी में ली। आख़िरी समय में वो कांग्रेस पार्टी में नहीं थे, फिर भी उनके नाम को भुनाया जा रहा है। और बहरुपिया औरत पद्मा सिंह को उनकी वर्तमान पत्नी बता कर राजनांदगाँव लोकसभा में प्रचार कर रहे हैं, जिससे मुझे बहुत दुःख हुआ है। मैं अपने सभी क्षेत्रवासियों से अपील करती हूँ कि इनके फैलाए भ्रम में ना आये और भ्रमित करने वालों की जगह बीजेपी को वोट करें।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

अपोलो अस्पताल के 4 डॉक्टरों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश

बिलासपुर। युवा व्यवसायी गोल्डी उर्फ गुरवीन सिंह छाबड़ा की मौत के मामले में सरकंडा पुलिस ने अपोलो अस्पताल बिलासपुर के चार आरोपी डॉक्टरों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर दिया। ज्ञात हो कि अपोलो के डॉक्टर देवेंद्र सिंह, डॉ. राजीव लोचन भांचा, डॉ. सुनील केडिया और डॉ. मनोज राय के विरुद्ध हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया था। डॉक्टरों के खिलाफ मृतक व्यवसायी के पिता परमजीत सिंह छाबड़ा ने पुलिस कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, जिस पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने आदेश दिया था। इन डॉक्टरों पर अपराध है कि इलाज में लापरवाही के चलते गोल्डी छाबड़ा की मौत हो गई। इसके बाद मौत के कारणों का साक्ष्य भी छिपाया गया। पुलिस ने चारों डॉक्टरों को गिरफ्तार कर मुचलके पर रिहा कर दिया था। डॉक्टरों के विरुद्ध धारा 304 ए, 201 तथा 34 के तहत अपराध दर्ज किया गया था।

खेत पर जा रहे किसान को हाथी ने कुचला, गांव में दहशत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथी के हमले से खेत पर जा रहे एक बुजुर्ग ग्रामीण की मौत हो गई। घटना छाल थाना क्षेत्र की है। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग और पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, रायगढ़ जिले के छाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खर्रा निवासी किसान कृषक जनक राम साहू अपने खेत पर शनिवार की सुबह पांच बजे जा रहे थे। इसी दौरान हाथी से उनका सामना हो गया और फिर हाथी ने हमला कर दिया। हमले से बुजुर्ग किसान की मौत हो गई। हाथी के हमले से बुजुर्ग किसान की मौत की जानकारी मिलते ही गांव में दहशत का महौल है। जिसके बाद वन विभाग और छाल थाने की पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंच कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाते हुए आगे की कार्वाई में जुट गई है। वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा लगातार हाथियों के मूवमेंट पर ड्रोन कैमरे के जरिये निगरानी रखी जा रही है। क्षेत्र के ग्रामीणों को सावधानी बरतने की अपील की जाती रही है।

वोट के लिए बालोद की विधायक ने तली पूड़ियां

बालोद। छत्तीसगढ़ में तीन चरणों में लोकसभा चुनाव है। पहले चरण का मतदान शुक्रवार को बस्तर लोकसभा क्षेत्र में संपन्न हो चुका है। इस बीच अन्य क्षेत्रों में वोटर्स को लुभाने के लिए सियासी दल अलग-अलग हथकंडे अपना रहे हैं। बालोद में जनता को लुभाने के लिए विधायक संगीता सिन्हा ने पूड़ियां तलीं। इसका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा रहा है कि विधायक संगीता सिन्हा पूड़ियां तल रहीं हैं और आस-पास मौजूद महिलाएं कह रही हैं कि सभी पूड़ियां तल कर ही जाना है। दरअसल, विधायक संगीता सिन्हा कुछ दिनों पहले एक शादी समारोह में गई थीं। यहां उन्होंने कुछ महिलाओं से बातचीत की। इसके बाद विधायक खुद रसोइया के साथ पूड़ियां तलने लगी। इस दौरान महिलाओं ने मजाक में कहा कि आपको सभी पूड़ियां तलनी हैं। अब इसका वीडियो सामने आया है। वहीं, लोगों को विधायक संगीता सिन्हा का ये अंदाज काफी भा रहा है। दूसरी ओर कुंवर सिंह निषाद का मजदूरों के साथ खाना खाते वीडियो कुछ दिनों पहले सामने आया था।

दो अंतर्राज्यीय गांजे तस्करों को पुलिस ने पकड़ा

राजनादगांव। राजनांदगांव पुलिस को नशे के तस्करों के खिलाफ अभियान में बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। शनिवार को कोतवाली पुलिस ने शहर की बायपास पर रोड पर दो अंतरराज्यीय तस्करों को भारी मात्रा में गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों तस्करों में से एक उडीसा और एक गुजरात का रहने वाला है। पुलिस ने दोनों को उस वक्त धर दबोचा जब दोनों रोड के पास खड़े होकर बस का इंतज़ार कर रहे थे। बता दें कि पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से 40 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत 3 लाख 20 हजार रूपये बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मददेनजर शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के उद्देश्य से असामाजिक तत्वों एवं अवैध गांजा, शराब एवं नशीले पदार्थो के बिक्री में संलिप्त लोगों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई, कि राजनांदगांव बायपास के पास मेन रोड़ पर दो व्यक्ति गांजा रखकर बस का इंतजार कर रहे है। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों को दबोचा।

भाजपा नेता ने ब्लड बैंक में कर्मचारी के साथ की मारपीट

कोरबा। भाजपा नेता की दबंगई सामने आई है। जहां सरेआम गुंडागर्दी करते हुए मारपीट कर रहा है। बार-बार मार खाने वाला हाथ जोड़ रहा है। लेकिन उसके बावजूद भी वह थप्पड़ पर थप्पड़ मार रहा है। पीड़ित ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाना पुलिस से की है। ये पूरा मामला शहर के मध्य निहारिका क्षेत्र स्थित बिलासा ब्लड बैंक का है। जहां शुक्रवार की देर रात एक कथित भाजपा नेता ने इस घटना को अंजाम दिया है। बिलासा ब्लड बैंक के कर्मचारी के साथ भाजपा नेता ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। नेता जी की सारी हरकतें ब्लड बैंक में लगे सारी करतूत सीसीटीवी कैमरा में कैद हो चुकी है। इस संबंध में पीड़ित कर्मचारी ने सिविल लाइन रामपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज करा दिया है। कर्मचारी लैब टेक्नीशियन भूपेंद्र पटेल ने बताया कि रात करीब 11 बजे वह ड्यूटी पर था कि यहां पहुंचे बृजेश यादव ने खुद को भाजपा नेता बताते हुए शराब के नशे में धुत्त होकर गाली-गलौज करते हुए हाथ झापड़ से मारपीट किया है।

गरियाबंद का डायलिसिस यूनिट बंद, किडनी मरीज ने तोड़ा दम

गरियाबंद। जिला अस्पताल में साधनों और संसाधनों की कमी जिला अस्पताल बनने के बाद से बदस्तूर जारी है। इस समस्या का खामियाजा जिले के लोगों को उठाना पड़ रहा है और उन्हें डायलिसिस के लिए दूर जाना पड़ रहा है। इस बीच डायलिसिस न मिलने से एक मरीज की मौत की खबर है।

गरियाबंद का आलम ये है कि यहां वर्तमान में जिला अस्पताल में मिल रही डायलिसिस की सुविधा मरीजों के लिए केवल इसलिए बंद पड़ी हुई है, क्योंकि उस जर्जर कमरे की मरम्मत का कार्य चल रहा है। जिस ठेकेदार को कार्य दिया गया है वह निर्धारित समयावधि के बावजूद उसे पूरा नहीं कर रहा है। यही कारण है कि डायलिसिस यूनिट पिछले करीब 20 दिनों से बंद है।

इसी असुविधा के चलते 7 अप्रेल को श्रवण कुमार जगत उम्र 29 वर्ष नामक युवक ने दम तोड़ दिया। मैनपुर ब्लाक के अंतर्गत आने वाले गोपालपुर निवासी श्रवण जगत के भाई पवन ने बताया कि उसका भाई किडनी की बीमारी से पीड़ित था उसका पिछले डेढ़ साल से डायलिसिस हो रहा था। बीते दिनों मरम्मत के चलते जिला अस्पताल में डायलिसिस बंद होने के कारण उसे रायपुर ले गए थे जहां 6 अप्रेल की शाम को उसका डायलिसिस हुआ और सुबह होते होते उसकी मृत्यु हो गई।

से डायलिसिस होना बताया। अब परिजनों को इस बात का अफसोस है कि अगर समय पर श्रवण का डायलिसिस हो जाता तो आज वह जिंदा होता। इसी तरह जिला अस्पताल के आइशोलेशन कक्ष में भर्ती किडनी पीड़ित प्रेम शंकर यादव ने बताया कि जिला अस्पताल के कक्ष की मरम्मत के चलते पिछले कई दिनों से डायलिसिस की सुविधा बंद होने के चलते उन्हें अब रायपुर जाना पड़ता है। शारीरिक कमजोरी के चलते वे ज्यादा चल फिर नहीं पाते है इसलिए मजबूरी वश उन्हें प्राइवेट वाहन का सहारा लेना पड़ता है। एक बार आने जाने मे लगभग 3 हजार रुपये का खर्च आ रहा। उन्हें हफ्ते में 3 बार डायलिसिस करने रायपुर जाना पड़ रहा है। जिसके चलते उनकी आर्थिक शारिरिक स्थिति दिनों दिन बिगड़ती जा रही है।

मरीज के परिजनों का कहना है कि अस्पताल के डॉक्टरों से बात करने रोज केवल और केवल आश्वासन मिल रहा है। उक्त मरीज की पत्नी चैती बाई ने बताया कि उनके पति के साथ भागदौड़ करते वे खुद भी बीमार हो गई है। डायलिसिस के लिए रायपुर आनाजाना करने से उनके पति का स्वास्थ्य भी दिनोदिन गिरते जा रहा है। श्रवण और प्रेम शंकर यादव जैसे वर्तमान में 20 से ज्यादा मरीज डायलिसिस के लिए गरियाबंद जिला अस्पताल पर निर्भर है। वे अपनी-अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार अपना डायलिसिस करा रहे है।

आवासीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरीश चौहान ने कहा डायलिसिस कक्ष काफी जर्जर हो चुका है। कुछ दिनों पहले छत से प्लास्टर भी टूटकर गिर गया था। जिससे कुछ मरीज बाल बाल बचे थे कक्ष की जर्जर हालत को देखते हुए उसके मरम्मत का कार्य ठेकेदार को दिया हुआ है। मगर निर्धारित समयावधि पूर्व हो जाने के बाद भी उसके द्वारा कार्य पूरा नहीं किया गया है। हम पूरा प्रयास कर रहे है जल्द से जल्द कक्ष का मरम्म्त कार्य पूर्ण हो जाये।

नाव दुर्घटना में मृतकों को चार लाख की सहायता राशि देने वित्त मंत्री ने दिए निर्देश

रायगढ़। निकटवर्ती राज्य ओडिसा के शारद्धा घाट के समीप पत्थर सैनी के दर्शनार्थ जा रही श्रद्धालुओ से भरी नाव पलटने के दौरान मृतकों को राजस्व सहायता पुस्तक परिपत्र के तहत चार चार लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत किए जाने की जानकारी देते हुए विधायक रायगढ़ एवम वित्त मंत्री ओपी ने कहा जिला प्रशासन को राजस्व सहायता पुस्तक परिपत्र के तहत मृतकों के परिवार जनों को चार चार लाख रुपए दिए जाने संबधी निर्देश दे दिए गए है।

मंत्री श्री ओपी ने घटना के दौरान घायलों के समुचित इलाज एवम भोजन व्यवस्था सहित घर पहुंचाए जाने की विस्तार से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। मृत आत्माओं को शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा दुख की इस घड़ी में वे उनके साथ खड़े है। घटना को हृदय विदारक बताते हुए दुख की इस बेला में परिवार जनों से धैर्य रखने की अपील भी की। घटना में घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए आम जनता से की अपील में ओपी ने अनुरोध करते हुए कहा जीवन की सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसी घटनाओं की पुनरावृति ना हो यह सभी की सामूहिक जवाबदारी है। मिल जुल कर जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करे ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा ना हो सके।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी 23 को जांजगीर-चांपा व धमतरी, 24 को अंबिकापुर में

रायपुर। तीसरे चरण में 7 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने पूरी कमर कस ली है। इसी के तहत चुनाव प्रचार करने एक बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ आ रहे है। श्री मोदी 23 अप्रैल की सुबह जहां जांजगीर-चांपा और दोपहर में धमतरी में एवं 24 अप्रैल को अंबिकापुर में सुबह 10 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे।

आज आठ किलोमीटर की दूरी पर योगी आदित्यनाथ व प्रियंका गांधी की आमसभा

रायपुर। दूसरे चरण में होने वाले 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव की तारीखें जैसे-जैसे नजदीक आते जा रही है भाजपा व कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। 21 अप्रैल को एक ही दिन में आठ किलोमीटर के दायरे में डोंगरगांव ब्लाक के सागर गांव में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा की मोहड़ में बड़ी सभा होने जा रही है। तय कार्यक्रम के अनुसार डोंगरगांव से लगभग 9 किलोमीटर दूर कुमर्दा से लगे ग्राम सागर में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा होगी, संगठन ने इसका समय तो सुबह 11 बजे रखा है, लेकिन योगी पहुंचेंगे दोपहर 12 बजे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका की सभा डोंगरगांव नगर से मात्र डेढ़ किलोमीटर दूर मोहड़ में होनी है। समय दोपहर ढाई बजे बताया जा रहा है। ऐसे में दोनों दलों के सामने बड़ी चुनौती यह आ रही है कि आठ किलोमीटर के दायरे और ढाई घंटे के अंतराल में इतनी भीड़ कैसे जुटाई जाए। अभी तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास पर है। हालांकि दोनों दल दावा कर रहे हैं कि लक्षित भीड़ तो जुटेगी ही।

साव ने लिया भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनावी सभा की तैयारी का जायजा

लोरमी। डिप्टी सीएम अरुण साव शनिवार

को लोरमी पहुंचे। यहां उन्होंने 22 अप्रैल को हाईस्कूल मैदान में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा की होने वाली चुनावी सभा की तैयारी का जायजा लिया। इसके साथ ही कांग्रेस पर निशाना साधा। बता दें कि 22 अप्रैल को जगतप्रसाद नड्डा बिलासपुर लोकसभा प्रत्याशी तोखन साहू के पक्ष में आमसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान डिप्टी सीएम साव के साथ भाजपा के तमाम पदाधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने भाजपा कार्यालय में भाजपा पदाधिकारी समेत कार्यकर्ताओं की बैठक ली और राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए निर्देश दिए। बता दें कि बिलासपुर लोकसभा का मतदान 7 मई को होना है। इसको लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आमसभा को संबोधित करेंगे और लोकसभा प्रत्याशी तोखन साहू के पक्ष में प्रचार करेंगे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में डिप्टी सीएम ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में स्थिति यह है कि कांग्रेस टूट रही है, बिखर रही है, भगदड़ मची है। आज कांग्रेस के लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस से लोगों की आस्था खत्म हो चुकी है। तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन रहे हैं। इस लोकसभा चुनाव के बाद ऐसा नहीं लगता कि कांग्रेस पार्टी नेता प्रतिपक्ष बनाने की स्थिति में भी होगी।

महराजबंध तालाब से 10 डंपर जलकुंभी निकाला गया

रायपुर। रायपुर नगर निगम द्वारा महराजबन्ध तालाब में इस महीने लगातार अभियान चलाकर जलकुंभी निकालकर तालाब को जलकुंभी मुक्त कर दिया गया। निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर इस तालाब से जलकुंभी निकालने का अभियान निरन्तर चलाया जाएगा। निगम के जोन क्रमांक 6 के जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल तथा कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा ने बताया कि इस महीने की शुरुआत से ही इस तालाब से जलकुंभी निकालने का कार्य प्रारंभ किया गया। अलग - अलग दिनों को मिलाकर यहां से 10 डंपर जलकुंभी निकाला गया। अब ये तालाब जलकुंभी मुक्त होकर स्वच्छ दिखने लगा है। इस तालाब में जलकुंभी फिर से निकल आते हैं। जिन्हें निगम कमिश्नर श्री मिश्रा के निर्देशानुसार निकालने की कार्रवाई लगातार की जाएगी।

श्री सीमेंट कंपनी में लगी भीषण आग कंपनियों के दमकल आग बुझाने में जुटे

बलौदाबाजार। खपराडीह स्थित श्री सीमेंट के एएफआर सेक्शन में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई है। आग की वजह से उठता काला धुआं दूर से देखा जा सकता है, लेकिन कंपनी प्रबंधन ने इस बड़ी घटना की सूचना तक पुलिस को देना मुनासिब नहीं समझा है। बताया जा रहा है कि कंपनी के अंदर एएफआर सेक्शन में खुले में डंप किए गए कचरे में यह आग लगी है, जिसका धुंआ फैल गया है। फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। आग लगने से कंपनी सहित आसपास के गाँव में हड़कंप की स्थिति है।

बीजेपी ने पोस्टर जारी कर पूछा कांग्रेस के राज्यसभा सांसद लापता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का सियासत जारी है। भाजपा और कांग्रेस में पोस्टरवार थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीजेपी ने आज शनिवार को पोस्टर जारी कर पूछा है कि छत्तीसगढ़ कोटे के कांग्रेस के राज्यसभा सांसद केटीएस तुलसी, राजीव शुक्ला और रंजीता रंजन कहां हैं। लग रहा है वो लापता हो गये हैं। पहले चरण का लोकसभा चुनाव संपन्न हो गया, लेकिन अभी तक ये सांसद दिखाई क्यों नहीं दिए?

बीजेपी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने शनिवार को जिला कार्यालय एकात्म परिसर में प्रेस ब्रीफ में पत्रकारों से चर्चा में आरोप लगाते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ियावाद का ढोल पीटने वाले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ से कांग्रेस के कोटे से दीगर प्रदेशों के नेताओं को राज्यसभा में भेजकर जो छल छत्तीसगढ़ के जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ किया था, उस करनी का फल आज छत्तीसगढ़ में कांग्रेस भोग रही है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने कहा कि तीनों कांग्रेस नेता के.टी.एस. तुलसी, राजीव शुक्ला और रंजीता रंजन छत्तीसगढ़ के कोटे से नहीं, भूपेश बघेल के आका के कोटे से छत्तीसगढ़वासियों का हक छीनकर राज्यसभा सदस्य बने हैं और अब इन्हें छत्तीसगढ़ से कोई लेना-देना नहीं रह गया है। भूपेश बघेल, जिन्होंने अपने आकाओं को खुश करने के लिए इनको राज्यसभा सदस्य बनवाया, वे छत्तीसगढ़वासियों को स्पष्ट करें कि उनकी सांसद निधि का पैसा छत्तीसगढ़ में कहां-कहां खर्च हुआ है? या फिर, क्या यह पैसा भी उनके %आकाओं की सेवा% में लग गया है? कांग्रेस के राज्यसभा सांसद लगातार छत्तीसगढ़वासियों का अपमान कर रहे हैं। रंजीता रंजन ने कहा था कि सभी नक्सली बुरे नहीं होते। यह सीधा-सीधा नक्सली घटनाओं में शहीद हुए सैनिकों का अपमान है।

श्रीवास्तव ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ में अनिच्छुक, उपेक्षित, थके लोकसभा प्रत्याशियों को कांग्रेस ने भी उनके हाल पर छोड़ दिया है। शुक्रवार को रायपुर लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय की नामांकन रैली में न तो पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मौजूद थे और न ही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज उपस्थित थे। ऐसे हालात देखकर यह साफ-साफ नजर आ रहा है कि कांग्रेस में अंतर्कलह से उपजी हताशा पूरी तरह व्याप्त हो चुकी है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल व सोशल मीडिया सह संयोजक मितुल कोठारी भी उपस्थित थे।

प्रियंका के दौरे से पहले छत्तीसगढ़ पहुंचे पायलट, कहा-

पहले चरण में कांग्रेस के पक्ष में पड़े वोट, ये चुनाव बदलाव का है

रायपुर। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट शनिवार दोपहर को नई दिल्ली से रायपुर पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में पहले चरण के म?तदान पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पक्ष में पड़े वोट, ये चुनाव बदलाव का है। प्रदेश प्रभारी पायलट एयरपोर्ट से सीधे डोंगरगांव के विकासखंड ग्राम मोहड़ के लिए रवाना हुए। वे शाम को डोंगरगांव पहुंचकर प्रियंका गांधी की चुनावी सभा स्थल का निरीक्षण करेंगे। वहां से शाम को ही ग्राम हथौद विखं गुरूर जिला बालोद के लिए रवाना होंगे। ग्राम हथौद पहुंचकर प्रियंका गांधी की चुनावी सभा स्थल का निरीक्षण करेंगे।

इस दौरान पहले चरण के मतदान पर मीडिया से बातचीत में सचिन पायलट ने कहा कि पहले चरण का मतदान कम हुआ है। हमें सकारात्मक रिपोर्ट्स आई है और हमें सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट बता रही की ये चुनाव बदलाव का चुनाव है। हमारी दावेदारी दो और चरणों पर मजबूत होगी। तमाम चुनौतियों के बाद कांग्रेस के पक्ष में वोट पड़े है। कांग्रेस और इंडिया अलाइंस जीतेगा। कवासी लखमा बड़े बहुमत से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, राजस्थान और अन्य राज्यों में चौंकाने वाले नतीजे हो सकते हैं। हमारी सारी गारंटी को जनता पसंद कर रही। राजस्थान में भाजपा के प्रत्याशी ठीक से चुनाव नहीं लड़ पाए। बीजेपी को अहसास है की जुमलों से वो नहीं जीत सकते। सचिन पायलट ने दूसरे और तीसरे चरण की रणनीति पर कहा कि बीजेपी बैक फूट पर है। बीजेपी साउथ से साफ और नॉर्थ से हाफ है। राहुल गांधी ने भाजपा के परिणामों का जो संख्या बल दिया है वो सच होता दिखा रहा है। भाजपा के राष्ट्रवाद वाले पोस्टर और कांग्रेस के मुद्दों पर सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस के मुद्दे जनता के सामने है। भाजपा को 10 साल के कामों के रिपोर्ट कार्ड का जवाब देना चाहिए। भाजपा 10 साल के वादे का जवाब दें। सचिन पायलट ने कहा कि आक्रमण और प्रतिशोध की भावना की राजनीति को लोग पसंद नहीं करते।

रायपुर लोकसभा के लिए 45 अभ्यर्थियों ने दाखिल किया नामांकन

रायपुर। रायपुर लोकसभा क्रमांक 8 के लिए 45 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया है। नामांकन की प्रक्रिया 12 अप्रैल से 19 अप्रैल तक थी। जिनमें इंडियन नेशनल कांग्रेस से श्री तिलक सोनकर, भारतीय जनता पार्टी से श्री बृजमोहन अग्रवाल, बहुजन समाज पार्टी से ममता रानी साहू, इंडियन नेशनल कांग्रेस विकास उपाध्याय, राईट टू रिकॉल पार्टी से अनिल महोबिया, भ्रष्टाचार मुक्ति पार्टी से मो. अमिन, आप सबकी अपनी पार्टी से श्री आशीष कुमार तिवारी, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी से श्री दयाशंकर निषाद, धूं सेना से श्री नीरज सैनी पुजारी, आजाद समाज पार्टी (कांशी) से श्री पिताम्बर जांगड़े, सुन्दर समाज पार्टी श्री पीलाराम अनंत, भारतीय बहुजन कांग्रेस से भंजन जांगड़े (अधिवक्ता), आंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया से श्री याशुतोष लहरे, राष्ट्रीय जनसभा पार्टी से श्री लखमू राम टंडन, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से श्री विक्रम अडवानी, सोषलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्यूनिस्ट) सेव् विश्वजीत हरोडे, शक्ति सेना (भारत देश) से सविता शैलेन्द्र बंजारे, हमर राज पार्टी से श्री सुरेष कुमार नेताम, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (।) से श्री हीरानंद नागवानी (अशोक भैया), निर्दलीय श्री अमरनाथ चंद्रकार, डॉ. ओमप्रकाश साहू, मो. इमरान खान, जलेबी कुमारी महानंद, श्री दिनेश ध्रुव, मो. नासीर, नुरी खाँ, नंदिनी नायक, श्री पिलाराम बंजारे, श्री प्रविशान्त सालोमन, श्री प्रवीण जैन, श्री बोधन लाल फरिकसा, इंजी. भानु प्रताप टांण्डे, श्री मनोज वर्मा, याकुब खान, श्री राजेश ध्रुव, राधेश्वरी गायकवाड़, रामकृष्ण वर्मा, रामप्रसाद प्रजापति, रोहित कुमार पाटिल, विनायक धमगाये, साने बाग, सुधांशु भूषण, सेमसन जॉन, सैययद इरशाद ने नामांकन दाखिल किया है।

अशोका बिरयानी घटना: स्वजनों को मिलेगा 30 लाख के साथ हर महीने 15 हजार

रायपुर। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के लाभांडी में संचालित अशोका बिरयानी सेंटर गटर साफ करने के दौरान दो कर्मचारियों के मौत मामले में स्वजनों को 15-15 लाख रुपए मुआवजा के साथ जीवनभर 15-15 हजार रुपए प्रतिमाह देगा। दरअसल, घटना के दूसरे दिन देर रात जमकर हंगामा हुआ। स्वजनों ने होटल के दरवाजे पर दोनों लाशें रखकर नारेबाजी की। वहीं रात करीब नौ बजे विधायक मोतीलाल साहू भी धरने पर बैठ गए। विरोध के बाद देर रात तेलीबांधा पुलिस ने अशोका बिरयानी सेंटर प्रबंधन पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया।सुरक्षा के लिहाज से सभी सेंटर तीन दिनों के लिए बंद कर दिए गए हैं। कुछ शिकायतों पर जिला प्रशासन जांच भी करवा रही है,वहीं मीडिया सदस्यो से मारपीट करने वाले जेल भेज दिए गए हैं।

पुलिस द्वारा एमडी केके तिवारी, सीईओ सनाया तिवारी, जीएम रोहित चंद, ब्रांच मैनेजर रोमिना मंडल पर धारा 304 के तहत मामला दर्ज किया है। जीएम रोहित चंद व बीएम रोमिना मंडल पत्रकारों से मारपीट के मामले में पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। वहीं प्रदर्शन कर रहे स्वजनों से मिलने देर रात गृह मंत्री विजय शर्मा अशोका बिरयानी सेंटर पहुंचे। उन्होंने कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

हादसे के बाद अशोका बिरयानी की सभी ब्रांच को तीन दिनों के लिए सील कर दिया गया है। स्टेशन रोड, पचपेड़ी नाका, लाभांडी महोबा बाजार और रायपुरा वाली ब्रांच पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। साथ ही नोटिस देकर प्रबंधन से तीन दिनों में जवाब मांगा है। कलेक्टर डा. गौरव सिंह ने कहा कि जांच में पाया गया कि कई ब्रांचों के गुमास्ता लाइसेंस की अवधि समाप्त हो चुकी है। कुछ जगहों पर साफ-सफाई संबंधी समस्याओं के कारण इन्हें सील कर दिया गया।

चुनाव की गहमागहमी के बीच मंत्री नेताम का विवादित बयान

■ भाजपा का विरोध करने वालों को बताया राक्षस, कहा- मोदी का विरोध मतलब श्रीराम का विरोध

अंबिकापुर। लोकसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने ऐसा बयान दे दिया है, जिसकी पूरे प्रदेश में चर्चा हो रही है। उन्होंने भाजपा का विरोध करने वालों राक्षस बताने के साथ कहा कि मोदी जी का विरोध करना मतलब श्रीराम का विरोध करना है। हम 400 पार होकर रहेंगे, चाहे कोई भी आ जाए।

सरगुजा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी चिंतामणी महाराज की नामांकन रैली के दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने मीडिया से चर्चा में कहा कि सूर्पनखा, दु:शासन, अहिरावण, कंस तक छत्तीसगढ़ में चुनाव के दौरान पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही बीजेपी को रामा दल बताते हुए कहा कि रामा दल का काम काफी बढ़ा गया है। और यह विजयी रथ है, यह रुकने वाला नहीं है।

रामविचार नेताम के बयान को राधिका खेड़ा ने बताया शर्मनाक

जांजगीर चांपा। लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान नेताओं के विवादास्पद बयान चर्चा में बने हुए हैं। ताजा घटनाक्रम में मंत्री रामविचार नेताम के प्रचार के लिए छत्तीसगढ़ आने वाले कांग्रेस नेताओं को सूर्पणखा, दु:शासन, अहिरावण कहा है। मंत्री के इस बयान को कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने शर्मनाक बताते हुए कहा कि यह उनका नहीं, बल्कि मोदी के चेले का गुण है।

दरअसल, कृषि मंत्री रामविचार नेताम का यह बयान कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा के प्रधानमंत्री मोदी को ठग कहे जाने के बाद आया है। जिसमें उन्होंने कांग्रेस के नेताओं पर निशाना साधा है। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने कहा कि जिनके नाम में राम शामिल हैं, और उनके विचार ही रावण जैसे हो वो महिलाओं के लिए सूर्पणखा जैसी भाषा का इस्तेमाल करे। लेकिन इसमें उनकी क्या गलती है। उनके मुखिया मोदी जी महिलाओं के प्रति किस प्रकार से अभद्र भाषा का प्रयोग करता है। पूरा देश जानता है। प्रधानमंत्री जो संसद में किसी महिला सांसद को सूर्पणखा कह सकता है। उनके चेले ही तो यहां पर यही बोलेंगे। ये बयान उनको कितना भारी पड़ेगा, यह छत्तीसगढ़ की जनता बताएगी।

अमन सिंह को अडानी ग्रुप में मिली बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में प्रमुख सचिव रहे अमन सिंह को अडानी ग्रुप में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। ग्रुप ने उन्हें एक बड़ा दायित्व सौंपा है। वो एक मई 2024 से अडानी ग्रुप में प्रेसिडेंट स्ट्रेटजी की जिम्मेदारी संभालेंगे। वो ग्रुप के संस्थापक और चेयरमैन गौतम अडानी को सीधे रिपोर्ट करेंगे। सबसे बड़ी बात ये है कि उनकी नियुक्ति का मेल भी गौतम अडानी ने ही जारी किया है। ग्रुप की तरफ से एक अनाउंसमेंट में इस आशय की जानकारी दी गई।

नए दायित्व पर उनका कार्य एक मई 2024 से प्रभावी होगा। अमन सिंह नवंबर 2022 में अडानी ग्रुप से सीबीसी के हेड और एपेक्स सदस्य के रुप में जुड़े थे। पेशे से सिविल सर्वेंट रहे अमन सिंह के कार्यकाल में भारत और विदेश में ब्रांड को बढ़ावा मिलने की बात सामने आई थी।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के निवासी अमन सिंह छत्तीसगढ़ में रमन राज में एक प्रभावशाली ऑफिसर की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वे न केवल रमन सिंह के प्रमुख सचिव रहे बल्कि बायोटेक्नोलॉजी, आईटी विभाग के भी सचिव और छत्तीसगढ़ नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (क्रेडा) के सीईओ की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।बहुमुखी प्रतिभा के धनी सिंह की कार्य कुशलता और योग्यता ने छत्तीसगढ़ को एक नई दिशा दी थी। उन्होंने हाल ही में भोपाल के एमसीएटी से पढ़ाई की है। इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के अमन की ई-गवर्नेंस और ऊर्जा के क्षेत्र में अच्छी पकड़ है। वो पांच साल तक आईआईटी-कानपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में भी रहे। उनकी पत्नी यास्मीन सिंह कथक नृत्यांगना हैं, जो रायगढ़ घराने का प्रतिनिधित्व करती हैं।

रायपुर-दुर्ग से चलने वाली 19 ट्रेनें कैंसिल, गर्मी छुट्टी में यात्रियों की बढ़ी परेशानी

रायपुर। रायपुर-दुर्ग से चलने वाली लगभग 19 ट्रेनों को रेलवे प्रशासन ने रद्द कर दिया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के अंतर्गत रायपुर-दुर्ग सेक्शन में सरोना और कुम्हारी के मध्य ऑटोमेटिक सिगनलिंग और अन्य अपग्रेडेशन किया जाएगा। इसके कारण इंटरलोकिंग का काम किया जाएगा। इस दौरन ट्रेनें कैंसिल रहेंगी।

रेलवे प्रशासन की ओर से अधोसंरचना विकास के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के अंतर्गत रायपुर-दुर्ग सेक्शन में सरोना और कुम्हारी के मध्य ऑटोमेटिक सिगनलिंग और अन्य अपग्रेडेशन का काम आज यानि 20 से 21 अप्रैल छह बजे तक 09 घंटे का नॉन इंटरलॉकिंग अपग्रेडेशन का काम किया जाएगा।

ये ट्रेनें रहेंगी कैंसिल

(1) गाड़ी संख्या 08701 रायपुर-दुर्ग मेमू पैसेंजर रायपुर से दिनांक 20 एवं 21 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(2) गाड़ी संख्या 08702 दुर्ग-रायपुर मेमू पैसेंजर दुर्ग से दिनांक 20 एवं 21 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(3) गाड़ी संख्या 08705 रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर दिनांक 20 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(4) गाड़ी संख्या 08706 डोंगरगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर दिनांक 20 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(5) गाड़ी संख्या 08707 रायपुर-दुर्ग मेमू पैसेंजर स्पेशल दिनांक 20 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(6) गाड़ी संख्या 08708 दुर्ग-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल दिनांक 20 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(7) गाड़ी संख्या 08709 रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल दिनांक 19 एवं 20 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(8) गाड़ी संख्या 08710 डोंगरगढ़-रायपुर पैसेंजर दिनांक 20 एवं 21 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(09) गाड़ी संख्या 08725 रायपुर-दुर्ग मेमू पैसेंजर दिनांक 19 एवं 20 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(10) गाड़ी संख्या 08726 दुर्ग-रायपुर मेमू पैसेंजर दिनांक 20 एवं 21 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(11) गाड़ी संख्या 08721 रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर दिनांक 19 एवं 20 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(12) गाड़ी संख्या 08723 डोंगरगढ़-गोंदिया मेमू पैसेंजर दिनांक 19 एवं 20 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(13) गाड़ी संख्या 08724 गोंदिया-रायपुर मेमू पैसेंजर दिनांक 20 एवं 21 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(14) गाड़ी संख्या 08729 रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल दिनांक 19 एवं 20 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(15) गाड़ी संख्या 08730 डोंगरगढ़-रायपुर पैसेंजर दिनांक 20 एवं 21 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(16) गाड़ी संख्या 08267 रायपुर -नेताजी सुभाष चंद्र बोष इतवारी मेमू पैसेंजर दिनांक 20 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(17) गाड़ी संख्या 08268 नेताजी सुभाष चंद्र बोष इतवारी- रायपुर मेमू पैसेंजर दिनांक 21 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(18) गाड़ी संख्या 18109 टाटानगर -नेताजी सुभाष चंद्र बोष इतवारी मेमू पैसेंजर दिनांक 19 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

(19) गाड़ी संख्या 18110 नेताजी सुभाष चंद्र बोष इतवारी- टाटानगर मेमू पैसेंजर दिनांक 20 अप्रैल, 2024 को रद्द रहेगी।

बीच में रद्द होने वाली ट्रेनें

(1) गाड़ी संख्या 08862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर दिनांक 20 अप्रैल 2024 को बिलासपुर में समाप्त कर दी जाएगी यह गाड़ी बिलासपुर -गोंदिया के मध्य रद्द रहेगी।

(2) गाड़ी संख्या 08861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर दिनांक 20 अप्रैल 2024 को गोंदिया के स्थान पर बिलासपुर से झारसुगुड़ा के लिए रवाना की जाएगी यह गाड़ी गोंदिया-बिलासपुर के मध्य रद्द रहेगी।

(3) गाड़ी संख्या 08816 अंतागढ़-रायपुर डेमू पैसेंजर दिनांक 20 एवं 21 अप्रैल 2024 को दुर्ग में समाप्त कर दी जाएगी यह गाड़ी दुर्ग- रायपुर के मध्य रद्द रहेगी।

(4) गाड़ी संख्या 08815 रायपुर-अंतागढ़ डेमू पैसेंजर दिनांक 20 एवं 21 अप्रैल 2024 को दुर्ग से रवाना की जाएगी यह गाड़ी रायपुर - दुर्ग के मध्य रद्द रहेगी।

(5) गाड़ी संख्या 08834 ताड़ोकी- रायपुर डेमू पैसेंजर दिनांक 20 अप्रैल 2024 को दुर्ग में समाप्त कर दी जाएगी यह गाड़ी दुर्ग - रायपुर के मध्य रद्द रहेगी ।

(6) गाड़ी संख्या 08833 रायपुर-ताड़ोकी डेमू पैसेंजर दिनांक 20 अप्रैल 2024 को दुर्ग से रवाना की जाएगी यह गाड़ी रायपुर - दुर्ग के मध्य रद्द रहेगी ।

(7) गाड़ी संख्या 18530 विशाखापट्टनम-दुर्ग एक्सप्रेस दिनांक 19 एवं 20 अप्रैल 2024 को बेलसोंडा में समाप्त कर दी जाएगी यह गाड़ी बेलसोंडा - दुर्ग के मध्य रद्द रहेगी।

(8) गाड़ी संख्या 18529 दुर्ग विशाखापट्टनम एक्सप्रेस दिनांक 20 एवं 21 अप्रैल 2024 को दुर्ग के स्थान पर बेलसोंडा से रवाना की जाएगी यह गाड़ी दुर्ग-बेलसोंडा के मध्य रद्द रहेगी।

समाचार पचीसा
रायपुर, रविवार 21 अप्रैल 2024

राजनीति में अनपढ़ नेता ?

संदीप अग्रवाल

हमारे देश में राजनेताओं की शैक्षिक योग्यता को लेकर आमतौर पर नकारात्मक बातें ही ज्यादा बोली जाती हैं। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी जैसी नेता भी इससे बच नहीं सकी हैं। और तो और, प्रधानमंत्री मोदी तक एमए की डिग्री को लेकर आरोपों का सामना कर चुके हैं। हालांकि हमारे यहाँ 73 सालों से मौजूद जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि किसी को उसकी शैक्षिक योग्यता के आधार पर सांसदी अथवा विधायकी से हटा दिया जाए। फिर भी राजनेता, शैक्षिक आधार पर अपने विरोधियों की छवि धूमिल करने का प्रयास करने में लगे रहते हैं। रही-सही कसर मसाला फिल्मों और भद्रलोक के लतीफों ने पूरी कर दी है, जो राजनेताओं की भाषा और सामान्यज्ञान की इतनी ज्यादा भद्द पीटते हैं, गोया नेता किसी और ग्रह से आई प्रजाति से संबंध रखते हैं। हमें स्वतंत्रता मिले आठ दशक होने जा रहे हैं, लेकिन इस मामले में हमारी सोच बिल्कुल नहीं बदली है। आज भी लोगों को विद्रूपता से यह कहते सुना जा सकता है कि ऐसी पढ़ाई-लिखाई का क्या फायदा, जहाँ बहुत ज्यादा पढ़े-लिखे अधिकारियों तक को अनपढ़ नेताओं के इशारों पर नाचना पड़ता है। हमें आए दिन यह सवाल परेशान करता है कि देश में एक चपरासी तक की नौकरी के लिए जब न्यूनतम शैक्षिक योग्यता निर्धारित की गई है तो देश को चलाने का जिम्मा लेने वाले राजनेताओं को इससे बाहर क्यों रखा गया है इस प्रश्न का जवाब हमारा लोक-प्रतिनिधित्व अधिनियम,1951 में निहित है, जिसमें कहीं इस बात का उल्लेख नहीं है कि जनप्रतिनिधि के रूप में संसद, विधानसभा, स्थानीय निकायों में आने के इच्छुक व्यक्ति को पढ़ा-लिखा होना चाहिए। वैसे भी बीते कुछ दशकों में इस अधिनियम को प्रासंगिक, प्रभावी और अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए कई बार इसमें बहुत सारे नए प्रावधान जोड़े गए हैं। लेकिन, शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता को कभी इसमें नहीं जोड़ा गया है। यह अकारण नहीं है। ऐसी बहुत सारी वजह हैं, जिनके चलते जनप्रतिनिधियों के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता की शर्त नहीं रखी गई। लोकतांत्रिक प्रणाली के मूल सिद्धांतों में से एक समावेशी प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देना भी है। यह विचार सुनिश्चित करता है कि समाज के सभी वर्गों को राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने और अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिले। लेकिन, शैक्षिक मानदंड लागू किए जाने के बाद आबादी के एक हिस्से, विशेष रूप से शिक्षा या विकास से वंचित पृष्ठभूमि से संबंध रखने वाले लोगों के चुनाव लड़ने और जनसेवा में प्रवेश करने से बाहर हो जाने की आशंका बढ़ सकती है। उम्मीदवारों की पात्रता तय करते समय अगर शैक्षिक योग्यता को थोपा जाता तो अधिनियम को भेदभावपूर्ण और संविधान में निहित समानता के सिद्धांतों के विरोधाभासी के रूप में देखे जाने की आशंका थी। वैसे भी इसके विरोध में यह तर्क दिया जाता ही है कि इस तरह के मानदंड समाज के कुछ वर्गों को परोक्ष रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि या हाशिए पर रहने वाले समुदायों को, जिन्हें गुणवत्तायुक्त शिक्षा तक पहुंचने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बेशक औपचारिक शिक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन यह किसी व्यक्ति की प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने या शासन करने की क्षमता का एकमात्र निर्धारक नहीं है। व्यावहारिक अनुभव, लोगों की सेवा, संचार कौशल और स्थानीय मुद्दों की गहरी समझ जैसे अनेक कारक हैं, जो जन-प्रतिनिधियों के लिए शिक्षा से अधिक या उतने ही महत्वपूर्ण हो सकते हैं। इसके पीछे यह सोच भी रही हो सकती है कि शैक्षिक योग्यता की अनिवार्यता लागू करने को कहीं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के ऐसे नियम के रूप में न देखा जाए, जो संभावित रूप से उम्मीदवारों और मतदाताओं दोनों की स्वतंत्रता और विकल्पों को सीमित कर सकता है। शायद यही वजह रही होगी कि मतदाताओं के चयन के अधिकार का सम्मान करते हुए समावेशी और विविधतापूर्ण प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने के लिए जानबूझकर शिक्षा को पात्रता शर्तों में शामिल न करने का विकल्प चुना गया। वैसे भी अनुभव यही बताते हैं कि शिक्षा से योग्यता जरूर बढ़ती है, लेकिन अशिक्षित होना अयोग्य होने का परिचायक नहीं माना जा सकता।

संविधान में बार बार बदलाव

संजय तिवारी

राहुल गांधी को यह चिंता खाये जा रही है अगर तीसरी बार नरेन्द्र मोदी सत्ता में आ गये तो संविधान बदल देंगे। बदल क्या देंगे, खत्म ही कर देंगे। इसलिए जिस चुनावी सभा में जा रहे हैं, बस यही रट लगा रहे हैं कि बीजेपी वाले तो संविधान का सम्मान नहीं करते। अबकी सत्ता में आये तो बदल ही देंगे। मीडिया में राहुल गांधी के इन बयानों की चर्चा तो होती है लेकिन क्या उस जनता पर कोई असर होता है जिसके सामने राहुल गांधी संविधान बचाने की दुहाई देते हैं? असल में इसी सवाल से राहुल गांधी की समझ पर सवाल खड़ा होता है। क्या सचमुच भारत के सामान्य जन मानस पर ऐसी बातों का कोई असर होता है जैसा राहुल गांधी प्रचारित करते रहते हैं? या फिर वो जानबूझकर एक ऐसे समूह को भड़का रहे हैं जो यह तो नहीं जानता कि संविधान कैसे खत्म होगा लेकिन यह जरूर जानता है कि इसे उसके बाबा साहब ने लिखा है।

यह बात इसलिए क्योंकि देश में यह भ्रम खूब अच्छे से प्रचारित कर दिया गया है कि डॉ भीमराव अंबेडकर संविधान निर्माता हैं। अंबेडकर के नाम पर एक खास जाति समूह को गोलबंद करने के लिए कुछ नेताओं ने यह भ्रम फैलाना शुरु किया कि डॉ भीमराव अंबेडकर अकेले संविधान निर्माता हैं। इससे उनका वोटबैंक तो गोलबंद हुआ लेकिन यह इतना अधिक प्रचारित हो गया है कि कोई नेता अब इस नैरेटिव के उलट जाकर सच बोलने का साहस ही नहीं रखता।

बहुत महीन विवरण में न भी जाएं तो हर पढा लिखा व्यक्ति यह जानता है कि भारत के संविधान निर्माण का काम संविधान सभा ने किया है। इस संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र प्रसाद थे और इसकी ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन डॉ भीमराव अंबेडकर। निश्चित रूप से भारत के संविधान निर्माण में डॉ अंबेडकर का योगदान है लेकिन उन्हें संविधान निर्माता बताना पूरे लोकतंत्र पर सवाल उठाने जैसा होगा। संसार में कहीं भी कोई भी ऐसा लोकतंत्र नहीं स्थापित हुआ जहां किसी एक व्यक्ति ने संविधान या कांस्टीट्यूशन लिख दिया हो और उसे पूरे देश पर लागू कर दिया गया हो। अगर ऐसा कहीं होगा तो फिर तानाशाही और लोकतंत्र में फर्क क्या रह जाएगा? एक व्यक्ति किसी एक देश का संविधान लिख ही नहीं सकता। संविधान बनाने की एक सामान्य प्रक्रिया यही रही है कि इसके लिए समाज, राजनीति और कानून के जानकार लोगों की कमेटी या सभा बनती है और वो कई कई महीने चर्चा करके किसी देश का संविधान बनाते हैं। हाल फिलहाल में नेपाल में भी यही हुआ है जहां एक समिति ने ही संविधान बनाया और उसे लागू किया है।

फिर भी संविधान में इतना लचीलापन छोड़कर रखा जाता है कि भविष्य में आनेवाली पीढियां अपनी जरूरत और समय की मांग के अनुसार उसमें जैसा चाहें वैसा बदलाव कर सकती हैं। यह लचीलापन ही संविधान को समय के साथ चलने लायक बनाता है वरना सदियों पहले लिखी गयीं मजहबी किताबों और किसी लोकतांत्रिक देश के संविधान में फर्क क्या रह जाएगा? अगर किसी संविधान को इस तरह से लिखा जाए कि इसे भविष्य में कभी बदला नहीं जाएगा तो फिर ऐसा संविधान लोकतंत्र को ही खत्म कर देगा। फिर किस बात का संविधान और किसके लिए? इसीलिए 1973 के ऐतिहासिक केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के केस में सुप्रीम कोर्ट की 13 जजों की सबसे बड़ी संवैधानिक पीठ ने यह फैसला दिया था कि संविधान में संशोधन हो सकते हैं लेकिन उसके मूल ढांचे में परविर्तन नहीं हो सकता। इस पीठ ने यह माना कि संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार है, बस संविधान के मूल ढांचे में परिवर्तन नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने संविधान को लिविंग डाक्यूमेन्ट कहा था जिसमें बदलते समय और जरूरतों के हिसाब से मूल ढांचे में छेड़छाड़ किये बिना बदलाव किये जा सकते हैं।

असल में भारतीय संसद ने 1972 में एक संविधान संशोधन करके केरल भूमि सुधार अधनियम 1971 को मान्य कर दिया था। इसके कारण केरल राज्य धार्मिक मठों और एक सीमा से अधिक जमीन रखनेवालों की जमीन उनसे वापस लेकर भूमिहीनों में बांट रही थी। इसमें केशवानंद भारती का इडनीर मठ भी था जिसकी जमीन केरल सरकार ने जब्त कर ली थी। इसी के खिलाफ वो सुप्रीम कोर्ट आये थे और इसी केस में सुप्रीम कोर्ट ने 7-6 के निर्णय से संविधान में संशोधन के संसदीय अधिकार को मान्य किया था। जो लोकसभा चुनाव होते हैं वो संवैधानिक रूप से कानून बनानेवालों को चुनने के ही चुनाव होते हैं। जो जन प्रतिनिधि होते हैं उन्हें संविधान में संशोधन का पूरा संवैधानिक अधिकार प्राप्त होता है। इसीलिए संविधान लागू होने के बाद से संसद 106 बार संविधान में संसोधन कर चुकी है। पहला संसोधन तो 1951 में संविधान को स्वीकार करने के अगले ही साल खुद जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने ही कर दिया था। इसीलिए नितिन गड़करी कह रहे हैं कि अकेले कांग्रेस की सरकारों में ही 80 संवैधानिक संसोधन किये गये। क्या उस समय किसी ने कहा कि कांग्रेस भारत के संविधान को बदलकर देश पर कब्जा कर रही है?

1973 में सुप्रीम कोर्ट ने भले ही यह कह दिया हो कि संविधान के मूल सिद्धांतों और ढांचे में बदलाव नहीं किया जा सकता लेकिन 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने जो 42 संविधान संशोधन किया उसमें न केवल संविधान के मूल ढांचे में बदलाव किया गया बल्कि संविधान की प्रस्तावना तक को बिना संसद की मंजूरी के बदल दिया गया। इसी संविधान संशोधन में संविधान निर्माताओं की नीति से उलट जाकर प्रस्तावना में सेकुलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़ा गया जो भारतीय संविधान के इतिहास की सबसे बड़ी छेड़छाड़ है जिसे उसी राहुल गांधी के पूर्वजों ने किया जिसके नाम की वो राजनीति करते हैं। यह संविधान संशोधन इतना व्यापक था कि इसे मिनी कांस्टीटयूशन तक कहा गया। आर्टिकल 51ए में बदलाव करके 10 नागरिक कर्तव्य जोड़े गये तथा नीति निर्देशक सिद्धांतों को मौलिक अधिकारों के ऊपर कर दिया गया। इस संविधान संशोधन में यहां तक संविधान को बदल दिया गया कि नीति निर्देशक सिद्धांतों में होनेवाले बदलाव की सुप्रीम कोर्ट में भी समीक्षा नहीं हो सकती। 42 संवैधानिक संसोधन में ऐसा नहीं है कि जो कुछ बदलाव हुए वो सब बुरी नीयत से हुए। लेकिन कई ऐसी बातें भी जोड़ी गयी जो उस समय की इंदिरा गांधी सरकार की जरूरत थी। मसलन, अब केन्द्र सरकार बिना राज्य सरकार की सहमति के भी राज्यों में अर्धसैनिक बलों की तैनाती कर सकती है। यह संविधान संशोधन इंदिरा गांधी ने क्यों किया होगा इसे आपातकाल को देखनेवाले अच्छे से समझ सकते हैं। इसलिए यह कहना कि संविधान में बदलाव नहीं हो सकता यह अपने आप में लोकतंत्र विरोधी बात है। लेकिन राहुल गांधी अपने कम्युनिस्ट सलाहकारों की राय पर अगर यह बात बार बार बोल रहे हैं तो उनका उद्देश्य संविधान की रक्षा करने से अधिक उस झूठ की खेती करना है जिसमें समाज की एक जाति को यह समझा दिया गया है कि संविधान का निर्माण बाबा साहेब अंबेडकर ने किया था। इसमें बदलाव का अर्थ होगा अंबेडकर द्वारा लिखी गयी बातों में बदलाव। जब राहुल गांधी बार-बार यह बात बोलते हैं तो वो उसी वर्ग की नजर में संविधान रक्षक बनना चाहते हैं। ऐसे झूठ और गैर लोकतांत्रिक बातों से किसी को फायदा हो न हो लोकतंत्र को नुकासन जरूर पहुंचता है। बहरहाल राहुल गांधी के इस झूठे दुष्प्रचार का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने 16 अप्रैल को बिहार में गया की जनसभा में कम से कम अंबेडकर के साथ डॉ राजेन्द्र प्रसाद का नाम तो लिया है। उन्होंने कहा कि यह (संविधान) डॉ राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व और बाबा साहेब अंबेडकर की देन है। सीमित सच ही सही लेकिन मोदी ने यह कहने का साहस तो किया है कि संविधान निर्माण कैसे हुआ है। उम्मीद करनी चाहिए कम्युनिस्ट विचारकों और राहुल गांधी जैसे प्रचारकों के जरिए बार-बार संविधान में बदलाव का जो झूठ फैलाया जाता है, उस झूठ से पर्दा जरूर हटेगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगकुण्डल्युपनिषद्

यह योगपरक उपनिषद् कृष्णयजुर्वेदीय परम्परा से सम्बद्ध है। इसमें कुल तीन अध्याय हैं। प्रथम अध्याय में सर्वप्रथम वायुजय (प्राणायाम सिद्धि) के तीन उपाय- 1. मिताहार 2. आसन एवं 3. शक्तिचालिनी मुद्रा- बताये गये हैं। तदुपरान्त सरस्वती चालन, प्राणायाम के भेद-सूर्यभेदी, उज्जायी, शीतली, भस्त्रिका आदि, तीन बन्ध-मूलबन्ध, उड्डियान बन्ध तथा जालन्धर बन्ध, योगाभ्यास के विघ्न और उनसे बचाव, योगाभ्यास से कुण्डलिनी जागरण, तीन ग्रन्थियों (ब्रह्मग्रन्थि, विष्णुग्रन्थि तथा रुद्रग्रन्थि) का भेदन करके कुण्डलिनी का सहस्रार चक्र में प्रवेश, प्राणादि का शिवतत्त्व में विलीन होना, समाधि अवस्था में सर्वत्र चैतन्य तत्त्व की अनुभूति और समाधियोग जैसे विषयों का विस्तृत विवेचन किया गया है।

द्वितीय अध्याय का शुभारम्भ खेचरी मुद्रा के विशद विवेचन से हुआ है। जिसमें खेचरी का स्वरूप, उसकी फलश्रुति, मन्त्र जप से खेचरी की सिद्धि, खेचरी का अभ्यास क्रम आदि का विस्तृत वर्णन है।

तृतीय अध्याय में खेचरी मेलन (खेचरी सिद्धि) का मन्त्र उल्लिखित हुआ है, तदुपरान्त अमावस्या, प्रतिपदा और पूर्णिमा के दृष्टान्त से साधक की दृष्टि का उल्लेख है।

इसके बाद प्राणायाम के अभ्यास से विराट् के रूप की उत्पत्ति (सिद्धि), अभ्यास के बिना आत्मा का प्रकाश असम्भव, सद्गुरु के उपदेश से ब्रह्म का ज्ञान, ब्रह्म के विविध अधिष्ठान (वाक् वृत्ति, विश्वादि प्रपंच), परात्परब्रह्म का स्वरूप, ब्रह्म प्राप्ति का उपाय- ध्यान तथा अन्त में जीवन्मुक्ति एवं विदेहमुक्ति आदि विषयों का प्रतिपादन किया गया है। इस प्रकार योग के सभी प्रमुख विषयों को प्रस्तुत करते हुए उपनिषद् को पूर्णता प्रदान की गई है।

क्रमशः ...

आत्म-क्रांति के वीर महापुरुष हैं भगवान महावीर

ललित गर्ग

महावीर जयंती इस साल 21 अप्रैल 2024 को पूरे देश में मनाई जाएगी, भगवान का जन्म 599 ईसा पूर्व में बिहार के कुंडग्राम/कुंडलपुर के राज परिवार में हुआ था, महज़ तीस साल की उम्र में उन्होंने राजपाट त्यागकर संन्यास धारण कर लिया था और अध्यात्म की राह पर निकल पड़े थे, इस बार महावीर भगवान का 2623वां जन्म वर्ष होगा।

भगवान महावीर जैनों के 24वें तीर्थंकर है, महावीरप्रभू ने लगातार बारह वर्षों तक कठिन तपस्या की थी और मौन धारण करते हुए उन्होंने अपनी इंद्रियों पर क़ाबू पाया था, इस दिन जैन धर्म के लोग अपने पूरे परिवार के साथ मंदिर जाते हैं और प्रभु की पूजा-भक्ति करते हुए उनके बताये उपदेशों को याद करते हैं। इस दिन जैन मंदिरों में रौनक देखने को मिलती है और जगह-जगह प्रभातफेरी और महावीर प्रभु की प्रतिमा लेकर जुलूस और शोभायात्रा निकाली जाती है।

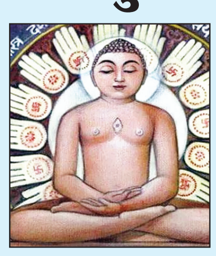

महावीर का संपूर्ण जीवन स्व और पर के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। इसलिए महावीर बनना जीवन की सार्थकता का प्रतीक है। महावीर बनने का अर्थ है स्वस्थ जीवन जीना, रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास करना। प्रत्येक वर्ष हम भगवान महावीर की जन्म-जयन्ती मनाते हैं, लेकिन इस वर्ष उस महान् आत्म-क्रांति के वीर महापुरुष की जयंती को कोरा आयोजनात्मक नहीं बल्कि प्रयोजनात्मक स्वरूप देना है। इसके लिये हर व्यक्ति अपने भीतर झांकने की साधना करें, महावीर को केवल पूजे ही नहीं हैं, बल्कि जीवन में धारण कर लें। जरूरी है कि हम महावीर ने जो उपदेश दिये उन्हें जीवन और आचरण में उतारें। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। महावीर वही व्यक्ति बन सकता है जो लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित हो, जिसकी जीवनशैली संयम एवं अनुशासनबद्ध हो, जिसमें कष्टों को सहने की क्षमता हो। जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समता, संयम एवं संतुलन स्थापित रख सके, जो मौन की साधना और शरीर को तपाने के लिए तत्पर हो। जिसके मन में संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना हो। जो पुरुषार्थ के द्वारा न केवल अपना भाग्य बदलना जानता हो, बल्कि संपूर्ण मानवता के उज्ज्वल भविष्य की मनोकामना रखता हो।

सदियों पहले महावीर जनमे, लेकिन उनका जीवन एवं उपदेश आज के संकटपूर्ण एवं अनेक व्याधियों-बीमारियों के दौर में अधिक कारगर एवं प्रासंगिक है। महावीर स्वास्थ्य-उत्क्रान्ति की एक लहर है, स्वस्थ जीवन-ज्योति की एक निर्धूम शिखा है। साहस एवं संयम का अनाम दरिया है। उनके संवादों में शाश्वत की आहट थी। उनकी जीवनशैली इतनी प्रभावी थी कि उसे एक बार जीने वाला बंध जाता। उनकी दृष्टि में ऐसी कशिश थी कि उन्हें एक बार देखने वाला भूल ही नहीं पाता। उनके स्वस्थ जीवन के आह्वान में ऐसा आमंत्रण था कि उसे अनसुना नहीं किया जा सकता। उनका मार्गदर्शन इतना सही था कि उसे पाने वाला कभी भटक ही नहीं पाता। उनकी सन्निधि इतनी प्रेरक थी कि व्यक्ति रूपान्तरित हो जाता।

चुनावों में चुनौती बन रहा चीन...

ज्योति भास्कर

हाल के वर्षों में, प्रौद्योगिकी और राजनीति का जुड़ाव तेजी से स्पष्ट होता जा रहा है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में संभावित हस्तक्षेप को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने चेतावनी दी है कि चीन भारत के लोकसभा चुनाव सहित कई अन्य चुनावों को प्रभावित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दुरुपोयोग कर सकता है। यह लेख इस मुद्दे के बहुआयामी आयामों को रेखांकित करता है और तकनीकी, राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक निहितार्थों की खोज करता है। ताइवान के अनुभवों के जरिये इसकी भी पड़ताल की गई है कि इनसे निपटने में सरकारों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

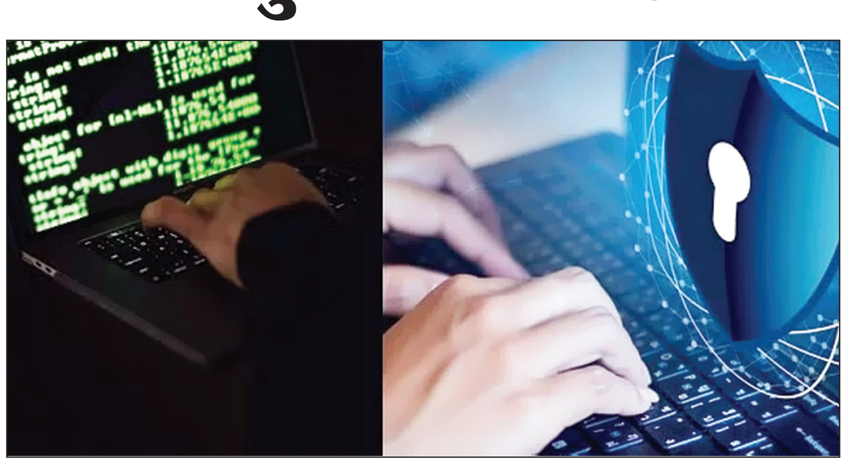

माइक्रोसॉफ्ट का कहना है कि चीन सोशल मीडिया के जरिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा बनाई गई राजनीतिक सामग्री वितरित करेगा, जो इन हाई-प्रोफाइल चुनावों में उसके हितों को लाभ पहुंचा सकता है, क्योंकि एआई से तेजी से मीम्स, वीडियो और ऑडियो सामग्रियां बन रही हैं। कंपनी ने जून, 2023 से चीन और उत्तर कोरिया में 'कुछ उल्लेखनीय साइबर रुझान देखे हैं, जो न केवल अपने परिचित लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, बल्कि अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अधिक जटिल प्रभावी तकनीकों का उपयोग करने का भी प्रयास करते हैं।% माइक्रोसॉफ्ट ने दावा किया है कि चीनी साइबर हमलावरों ने तीन लक्ष्य क्षेत्रों को चुना है- दक्षिण प्रशांत द्वीप समूह के देश, दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में उसके क्षेत्रीय विरोधी और अमेरिकी रक्षा औद्योगिक आधार। चीनी अभियान एआई-जेनरेटेड या एआई-समर्थित सामग्री को परिष्कृत करना जारी रखते हैं। इन अभियानों के पीछे के खिलाड़ियों ने एआई-जनरेटेड मीडिया को बढ़ाने की इच्छा दर्शाई है, जो उनके रणनीतिक आख्यानों को लाभ पहुंचाता है, साथ ही वे वीडियो, मीम्स और ऑडियो सामग्री भी बनाते हैं।

चीन, मतदाताओं को सबसे ज्यादा किस चीज से विभाजित किया जा सकता है, इस पर मतदान कराने के लिए फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल कर रहा है, ताकि मतभेद पैदा हो सकें। वह संभवत- अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे को भी अपने पक्ष में प्रभावित कर सकता है। उत्तर कोरिया ने अपने सैन्य लक्ष्यों और गुप्तचर जानकारी संग्रह को वित्तपोषित करने और आगे बढ़ाने के लिए क्रिप्टोकरंसी लूट और आपूर्ति शृंखला को बाधित करने वाले हमलों को बढ़ा दिया है। इसने अपने कार्यों को अधिक प्रभावी और कुशल बनाने के लिए एआई का उपयोग करना भी शुरू कर दिया है।

सॉफ्टवेयर दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने चीन द्वारा एआई का इस्तेमाल कर भारत, अमेरिका और दक्षिण कोरिया सहित कई देशों में चुनावों को बाधित करने की आशंका से संबंधित जो चेतावनी जारी की है, वह चिंताजनक है। माइक्रोसॉफ्ट थ्रेट इंटेलिजेंस से मिली जानकारी के अनुसार, चीन आगामी प्रमुख चुनावों में विशेष रूप से अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए एआई द्वारा बनाई गई सामग्री का इस्तेमाल कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट थ्रेट एनालिसिस सेंटर (एमटीएसी) की रिपोर्ट इस आसन्न खतरे को रेखांकित करती है कि %इस साल दुनिया भर में होने वाले प्रमुख चुनावों को देखते हुए, खासकर भारत, दक्षिण कोरिया और अमेरिका में, चीन अपने हितों को लाभ पहुंचाने के लिए एआई जनरेटेड सामग्री बनाएगा और उसका प्रचार करेगा।

माइक्रोसॉफ्ट की चेतावनी ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान चीन के कथित ट्रायल रन की खबरों के बाद आई है, जहां उसने जनवरी में एआई द्वारा बनाई सामग्री के जरिये दुष्प्रचार का प्रयास किया था। रिपोर्ट में स्टॉर्म 1376 नामक एक बीजिंग समर्थित समूह का उल्लेख है, जिसे स्पैमोफ्लाज या ड्रैगनब्रिज के नाम से भी जाना जाता है, जो ताइवानी चुनाव के दौरान अत्यधिक सक्रिय था। यह राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करने के लिए चीन द्वारा प्रौद्योगिकी के उपयोग के मामले का अध्ययन करता है और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में तकनीकी हस्तक्षेप की क्षमता को रेखांकित करता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा बनाई गई सामग्री जनमत को प्रभावित करने के लिए संज्ञानात्मक पूर्वाग्रहों और मनोवैज्ञानिक कमजोरियों का फायदा उठा सकती है। माइक्रो टार्गेटिंग और भावनात्मक संदेश जैसी तकनीकों का लाभ उठाकर, एआई एल्गोरिदम इको चैंबर्स बना सकता है, जो मौजूदा विश्वासों को मजबूत करता है और समाज को ध्रुवीकृत करता है। इसके अलावा, %डीपफेक% तकनीक का उदय सूचना के पारंपरिक स्रोतों में विश्वास को कम करते हुए, तथ्य और कल्पना के बीच की बारीक रेखा को धुंधला कर एक महत्वपूर्ण खतरा बन गया है।

सरकारों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए एआई सामग्री के दुरुपयोग को रोकने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सबसे पहले, इंटरनेट की सीमाहीन प्रकृति क्षेत्राधिकार संबंधी मुद्दों को जटिल बनाती है, जिससे दुर्भावनापूर्ण लोग अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार बिना किसी दंड के काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, तकनीकी नवाचार की तीव्र गति विनियामक प्रयासों से आगे निकल जाती है, जिससे नीति निर्माताओं के लिए उभरते खतरों का सामना करना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, एआई सामग्री निर्माण और प्रसार का विकेंद्रीकृत स्वरूप पारंपरिक प्रवर्तन रणनीतियों में बाधा डालता है, जिसके लिए सरकारों, तकनीकी कंपनियों और नागरिक समाज के बीच सहयोग की आवश्यकता होती है। डिजिटल युग में लोकसभा चुनावों को प्रभावित करने के लिए चीन द्वारा एआई-जनरेटेड सामग्री के संभावित उपयोग से प्रौद्योगिकी और राजनीति के बीच जटिलता स्पष्ट होती है। ताइवान जैसे अन्य देशों के अनुभवों से यह स्पष्ट है कि तकनीकी हस्तक्षेप दुनिया भर में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा बन गया है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकारों, तकनीकी कंपनियों और नागरिक समाज को मजबूत विनियामक ढांचा विकसित करने, डिजिटल साक्षरता बढ़ाने और चुनावों की सत्यनिष्ठा की रक्षा करने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। ऐसा करने में विफलता लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों को कमजोर करेगी और नागरिकों का अपने राजनीतिक संस्थानों पर भरोसा कम हो सकता है।

आज का इतिहास

1908 फ्रेडरिक कुक ने इस तिथि पर उत्तर ध्रुव तक पहुंचने का दावा किया।

1914 मैक्सिकन क्रांति-संयुक्त राज्य अमेरिका ने मैक्सिकन संघीय सरकार के लिए एक जर्मन स्टीमरकार्यिंग मैटरियल को हिरासत में लिया।

1918 मैनफ्रेड वॉन रिचथोफ़ेन, जिन्हें द रेड बैरन के रूप में जाना जाता है, की फ्रांस में वॉक्स-सुर-सोम्मे के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, एक विश्व युद्ध के 80 के साथ सबसे सफल फाइटर पायलट के रूप में कैरियर की पुष्टि के बाद हवाई युद्ध जीत।

1934 सर्जन की फोटो, सबसे प्रसिद्ध फोटो है जो लूप नेस मॉन्स्टर को दिखाती है। डेली मेल में प्रकाशित किया गया था।

1945 दूसरे विश्व युद्ध के दौरान सोवियत संघ ने बर्लिन के बाहरी इलाके पर कब्जा किया।

1960 ब्रासीलिया, एक योजनाबद्ध शहर जो मुख्य रूप से वास्तुकार और उपनगरीय योजनाकार लुसियो कोस्टा द्वारा डिज़ाइन किया गया था, आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया गया था, रियो डी जनेरियो को ब्राजील की राजधानी के रूप में प्रतिस्थापित किया गया था।

1962 द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में पहला विश्व मेला, 21 वीं सदी, वाशिंगटन में खोला गया।

1970 गेहूं उत्पादन पर लंबे समय से चल रहे विवाद के जवाब में, हुत नदी की रियासत ने ऑस्ट्रेलिया से अपने अलगाव की घोषणा की।

1977 मेजर जनरल जियाउर्रहमान बांग्लादेश के राष्ट्रपति नियुक्त।

1983 ब्रिटेन में एक पाउंड का सिक्का पेश किया गया।

1987 श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में एक बम धमाके में 100 से अधिक लोगों की मौत हुई।

1990 कार्टून ऑल स्टार्स टू रेस्क्यू सभी 4 टीवी नेटवर्क पर दिखाया गया है।

1991 4 वीं मैराथन विश्व कप जोन्स टोस्टियर ने हासिल किया था।

1991 सबसे बड़ी अतिरिक्त पारी की वापसी, पिट्स 11 वें तल पर 6 अंक लेकर 5 रन क्यूब लीड, पाइरेट्स भी 9 वें स्थान से नीचे 7-2 से पीछे।

1992 रेडियो खगोलविदों अलेक्जेंडर वोलस्ज़कान और डेल फ्रिल ने दो ग्रहों की खोज की घोषणा की जो पल्सर PSR B1257+ 12 की परिक्रमा कर रहे हैं, एक्सोप्लैनेट की निश्चित पहचान।

1994 गोराडेज बोनसिया में जीते संकट पर सर्बियाई सेना की बमबारी के बाद 28 व्यक्ति छूट गए थे।

1994 पिकनिक को मापदंड थिएटर न्यूयॉर्क शहर में खोला गया था। यह 45 प्रदर्शनों के लिए था।

1996 न्यूयॉर्क शहर के प्राइमाउथ थिएटर में डेरिकेट बोलेंस का उद्घाटन।

1997 केन्या के लैमेक अगुला ने 101 वां बास्टन मैराथन जीता।

2004 बसरा में मिसाइल हमले में 68 लोगों की मृत्यु।

2011 शंघाई में चीनी लॉरी चालकों द्वारा बढ़ती मुद्रास्फीति के खिलाफ विरोध जारी रखा।

2012 फिलीपींस में केकड़ों की चार प्रजातियों को उज्ज्वल उद्देश्य रंग की खोज की गई थी।

राजस्थान में इस बार भाजपा की 25 सीटों पर हैट्रिक मुश्किल

अजय सेतिया

राजस्थान में भाजपा के लिए 2014 और 2019 की तरह सभी 25 सीटें जीतना इस बार आसान नहीं लग रहा है। बल्कि जमीनी रिपोर्ट संकेत दे रही हैं कि भाजपा कम से कम चार पांच सीटें हार सकती है। 19 अप्रैल को जिन 12 लोकसभा सीटों पर चुनाव हुआ है, उनमें ही पांच सीटों चूरू, सीकर, झुंझुनूं, नागौर और दौसा सीटों पर भाजपा के पसीने छूट गए। 19 अप्रैल को श्रीगंगानगर, बीकानेर, चुरू, नागौर, झुंझुनू, सीकर, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, अलवर, भरतपुर, दौसा और करौली धोलपुर में वोटिंग हो चुकी है। बाकी की 13 सीटों पर 26 अप्रैल को वोटिंग होगी।

जिन पांच सीटों पर कांटेदार टक्कर हुई, उनमें नागौर की चर्चा सबसे ज्यादा रही। भाजपा ने लगातार तीन बार कांग्रेस टिकट पर हारी मिर्धा परिवार की ज्योति मिर्धा को दलबदल करवा कर उम्मीदवार बनाया। पिछली बार भाजपा ने यह सीट आरएलपी के हनुमान बेनीवाल के लिए छोडी थी, वह जीते भी। बेनीवाल के कारण युवा जाट बड़ी तादाद में भाजपा से जुड़े, जिससे भाजपा को बाकी सीटों पर भी जाट वोटों का फायदा हुआ, लेकिन कृषि कानूनों के खिलाफ वे एनडीए छोड़ गए, और इस बार कांग्रेस के समर्थन से मैदान में हैं। ज्योति मिर्धा दो बार लोकसभा चुनाव बेनीवाल के कारण ही हारी थी, पिछला चुनाव तो खुद उनसे हार गई। हालांकि 2009 में ज्योति कांग्रेस टिकट पर जीती भी थी, लेकिन अगले दो लोकसभा चुनाव हारने के बाद 2023 में वह भाजपा में शामिल हो गई। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ज्योति मिर्धा को नागौर शहर से चुनाव मैदान में उतारा। लेकिन भाजपा के टिकट पर उतरने के बाद भी ज्योति को कांग्रेस के हरेंद्र मिर्धा ने 13970 वोटों से हरा दिया।

इस प्रकार ज्योति मिर्धा को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। बार-बार चुनाव हारने के कारण बुजुर्ग मतदाताओं में उनके प्रति सहानुभूति तो है, लेकिन ज्योति मिर्धा के सामने हनुमान बेनीवाल हैं, जिन्होंने युवा जाट वोटरों में अपनी अलग पहचान बनाई है। इसलिए यह सीट भाजपा के लिए खतरे से खाली नहीं है। दूसरे नंबर पर भाजपा के लिए खतरे वाली सीट चूरू है। चूरू जिले की तारानगर सीट से भाजपा के बड़े नेता राजेन्द्र राठौड़ विधानसभा चुनाव हार गए थे, जो खुद को मुख्यमंत्री पद का दावेदार मानते थे। राजेन्द्र राठौड़ ने अपनी हार का दोष स्थानीय सांसद राहुल कस्वां पर डाल कर उनका टिकट कटवा दिया। राजेन्द्र राठौड़ का आरोप था कि राहुल कस्वां ने उन्हें हराने के लिए कांग्रेसी उम्मीदवार नरेंद्र बुडानिया की मदद की। भीतरघात के आरोप में कस्वां का टिकट कटा, तो वह कांग्रेस में शामिल होकर कांग्रेस के उम्मीदवार बन गए। कस्वां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के रिश्तेदार हैं। मोदी ने उन्हें जाट वोटों को रोकने के लिए ही उपराष्ट्रपति बनाया, लेकिन वह अपने रिश्तेदार को ही नहीं रोक सके।

भाजपा ने कस्वां के सामने जाट समाज के ही पैरा एथलीट देवेंद्र झाझड़ियां को मैदान में उतारा। कस्वां का टिकट कटने के बाद से जाट समाज का एक वर्ग भाजपा से नाराज है, जिसका नतीजा झाझड़िया को भुगतना पड़ सकता है। इसलिए यह सीट भी खतरे से खाली नहीं है। वैसे भी जाट परंपरागत रूप से कांग्रेस समर्थक रहा है। कड़े मुकाबले में भाजपा खुन्नस में काटी गई टिकट की वजह से अपनी यह सीट गंवा सकती है। तीसरे नंबर पर भाजपा के लिए खतरे वाली सीट सीकर है। सीकर हालांकि जाट बहुल सीट है, जाटों में कांग्रेस का प्रभाव भी है, लेकिन यह सीट कांग्रेस सात बार जीती और दस बार हारी है। इसलिए कांग्रेस ने यह सीट गठबंधन में सीपीएम को दे दी, जिसने किसान नेता अमरा राम को अपना उम्मीदवार बनाया। भाजपा ने दो बार के सांसद सुमेधानन्द सरस्वती को ही तीसरी बार भी टिकट दिया

है, जिन्हें खुद की एंटी इनकम्बेंसी का सामना करना पड़ा। तीन चुनावों में पहली बार कांटे की टक्कर दिखाई दी। सत्रह बार के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस इस सीट को सिर्फ सात बार जीती है, जबकि सात बार जनसंघ या भाजपा के उम्मीदवार जीते, तीन बार गैर भाजपा-गैर कांग्रेस, एक बार जनता दल की टिकट पर चौधरी देवी लाल, एक बार जनता पार्टी सेक्यूलर की टिकट पर कुंभा राम आर्य और 1952 में पहला चुनाव राम राज्य परिषद की टिकट पर नन्द लाल शर्मा जीते थे।

भाजपा के लिए खतरे वाली चौथी सीट झुंझुनूं है, जो राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की सीट है, जनता दल की टिकट पर वह झुंझनू से 1989 में जीते थे, हालांकि इसके बाद वह कभी भी नहीं जीत सके। इसके बाद 2009 तक यह सीट कांग्रेस के पास रही, जिनमें 1996 से 2009 तक पांच बार लगातार कांग्रेस के मौजूदा उम्मीदवार बृजेंद्र ओला के पिता शीशराम ओला सांसद थे। बृजेंद्र ओला अभी कांग्रेस विधायक हैं, भाजपा पिछले दो चुनाव जीती जरुर, लेकिन हर बार उम्मीदवार बदल कर। 2014 में संतोष अहलावत जीती थी, 2019 में नरेंद्र कुमार जीते थे, और इस बार भाजपा ने शुभकरण चौधरी को टिकट दिया है। शीश राम ओला के बेटे को अपना उम्मीदवार बनाकर कांग्रेस ने झूंझनू सीट में कांटेदार टक्कर बना दी है। ओला और चौधरी के जरिए दोनों पार्टियों ने जाट मतदाताओं को साधने का प्रयास किया है। भाजपा की पांचवीं खतरे वाली सीट दौसा है। जहां कांग्रेस ने दौसा से विधायक मुरारीलाल मीणा को टिकट दिया है, उनके सचिन पायलट खेमे के नेता होने के कारण गुर्जर वोट बैंक का भी उन्हें लाभ मिला है। सचिन पायलट के लिए इस सीट को जिताना अपने राजनीतिक भविष्य के लिए भी जरूरी था, इसलिए उन्होंने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। भाजपा ने बस्सी से पूर्व विधायक कन्हैया लाल मीणा को मैदान में उतारा था। गुर्जर, मीणा, दलित और मुस्लिम वोटर्स के समीकरणों की वजह से कांग्रेस का पक्ष मजबूत दिखाई देता है। अगर कांग्रेस में भीतरघात न हुआ, तो दौसा भाजपा के लिए अत्यंत मुश्किल सीट है।

उम्मीदवार बदलने और उम्मीदवार के बाहरी होने के कारण अलवर भी भाजपा के लिए आसान सीट नहीं रही। भाजपा ने केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव को टिकट दिया, वह मूल रूप से हरियाणा से हैं। जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार ललित यादव स्थानीय राठ क्षेत्र से हैं, इसलिए कांग्रेस ने भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ बाहरी होने का मुद्दा बनाया। मुंडावर, बहरोड़ विधानसभा क्षेत्रों में उनकी पकड़ भी काफी मजबूत है। भूपेन्द्र यादव को अलवर से उतारने के बाद भाजपा नेतृत्व को बहुत पापड़ बेलने पड़े। खुद नरेंद्र मोदी और अमित शाह उनके इलाके में रैली करने गए। इसके बावजूद खतरे से बचने के लिए भूपेन्द्र यादव ने राम मंदिर, अनुच्छेद 370 और मोदी की गारंटी को अपने प्रचार का मुद्दा बनाकर ही प्रचार किया।

इसके अलावा जाट बहुल लेकिन अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट भरतपुर में भी भाजपा को जाट आंदोलन का सामना करना पड़ा। भरतपुर सीट पर जाट आरक्षण आंदोलन की हवा बह रही थी। क्षेत्र में करीब 5 लाख जाट वोटर्स हैं। वहीं करीब 3.50 लाख जाटव वोटर्स हैं, जो एक बड़ा वर्ग है। कांग्रेस कैंडिडेट संजना इसी समाज से हैं। भाजपा प्रत्याशी रामस्वरूप कोली पहले बयाना (अब भरतपुर) सीट से लोकसभा का चुनाव जीत चुके हैं। वैसे तो राज्य की सभी सीटों पर भाजपा ने राम मन्दिर, अनुच्छेद 370 और मोदी सरकार की योजनाओं और मोदी की गारंटियों को ही मुद्दा बना कर चुनाव लड़ा। जिससे जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, करौली-धोलपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर में हिंदू वोटों की लामबंदी हुई।

जयपुर शहर की सीट पर बीजेपी ने दिग्गज नेता रहे भंवरलाल शर्मा की बेटी मंजू शर्मा को उम्मीदवार बनाया, समीकरणों के हिसाब से भी यहां भाजपा को मजबूत माना जाता रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रोड शो के लिए भी जयपुर का ऐसा ही इलाका चुना। जयपुर ग्रामीण सीट पर भाजपा ने पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह को टिकट दिया, जबकि कांग्रेस ने सचिन पायलट खेमे के अनिल चोपड़ा को उम्मीदवार बनाया है। राव राजेंद्र सिंह को भाजपा के मजबूत कैडर का समर्थन और राम मंदिर के मुद्दे की वजह से शहर-कस्बों में फायदा हो रहा है।

करौली सीट पर भी भाजपा ने अपने सांसद मनोज राजोरिया का टिकट काटकर इंदु देवी को मैदान में उतारा है। जहां जहा भाजपा ने उम्मीदवार बदला, वहां वहां उसे मुश्किल का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के उम्मीदवार भजनलाल जाटव भी दो बार विधायक और एक बार मंत्री रह चुके थे, जिस कारण उनकी लोकप्रियता बनी हुई है। फिर भी यह सीट भाजपा के लिए मजबूत मानी जाती है। बीकानेर में फिर से भाजपा ने कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को ही अपना उम्मीदवार बनाया, जिन्हें मोदी के नजदीक माना जाता है। श्रीगंगानगर सीट भी भाजपा के लिए सुरक्षित कही जा सकती है, हालांकि इस सीट पर भी पार्टी ने अपना उम्मीदवार बदल दिया। भाजपा से प्रियंका बैलान उम्मीदवार है, जबकि कांग्रेस ने कुलदीप इंदौरा को उम्मीदवार बनाया है।

आतंक फैलाने वाला देश खुद आतंकित!

हरीश गुप्ता

लाहौर में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी अमीर सरफराज की उसके आवास पर दो मोटरसाइकिल सवार बंदूकधारियों द्वारा हत्या से पाकिस्तान में सदमा छाया हुआ है। सरफराज को 2013 में भारत के सरबजीत सिंह, जो वहां जासूसी के आरोप में मौत की सजा प्राप्त कैदी था, की हत्या के मामले में बरी कर दिया गया था। हालांकि हाल के दिनों में पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के कई आतंकियों को मार गिराए जाने के बाद सरफराज को सुरक्षा कवर मुहैया कराया गया था। फिर भी, वह मौत से नहीं बच सका और पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री को भारत के छिपे हुए हाथ का आरोप लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह लश्कर-ए-तैयबा और ऐसे अन्य संगठनों से जुड़े आतंकवादियों की 22 वीं हत्या है, जिन्होंने भारत में लक्षित हत्याएं कीं और पाकिस्तान में जाकर ऐश करते रहे लेकिन अब और नहीं। दुनिया तभी जागी जब कनाडा में कथित खालिस्तानी आतंकवादी एच.एस. निज्जर मारा गया और कनाडाई पीएम ने भारत पर आरोप लगाया लेकिन कोई सबूत नहीं दिया। बाद में अमेरिका भी इस मुद्दे में शामिल हो गया और कहा कि भारत को चल रही जांच में सहयोग करना चाहिए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि ऐसी हत्याएं भारत की नीति के विपरीत हैं। लेकिन यह देखा गया है कि आतंकवादियों और शरण देने वालों के प्रति भारत की राजनीतिक प्रतिक्रिया बहुत सख्त रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में घोषणा की, 'हम घर में घुस कर मारेंगे'। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि आतंकवादी पाकिस्तान में हत्या करते हैं और छिप जाते हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की नीति को सख्त कर दिया है और भारत की बाहरी जासूसी एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) को बेशुमार शक्ति दे दी गई है। रॉ, जिसकी स्थापना 1968 में इंदिरा गांधी ने की थी और जिसने 1971 में बांग्लादेश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, को 1977 में उनके उत्तराधिकारी मोरारजी देसाई ने निष्क्रिय कर दिया था। रॉ को फिर से तब झटका लगा जब आई.के. गुजराल थोड़े समय के लिए प्रधानमंत्री बने और उन्होंने पाकिस्तान में इसका परिचालन बंद कर दिया। अब रॉ फिर से बड़े पैमाने पर सक्रिय हो गई है और पाकिस्तान में छिपे आतंकवादी चिंतित हैं। अगर आने वाले दिनों में चुनाव के दौरान यह मुद्दा तूल पकड़ता है तो इसका फायदा मोदी को मिल सकता है। 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हरियाणा भूमि सौदा मामले में दामादजी के खिलाफ पूरी सक्रियता से कार्रवाई कर रहा था। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से ईडी ने कई बार पूछताछ की थी।

अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते दक्षिण के क्षेत्रीय दल

उमेश चतुर्वेदी

चुनावी अभियान के बीच आरोप-प्रत्यारोप कोई नई बात नहीं है। जब प्रचार तमिलनाडु जैसे राज्य में हो, तो भाषा अपने आप मुद्दा बन जाती है। चुनावी अभियान ही नहीं, सामान्य दिनों में भी दक्षिण के क्षेत्रीय दल अपनी भाषायी अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते। तमिलनाडु इस मामले में अगुआ रहा है। अक्सर ऐसे अभियानों में केंद्र सरकार और भाजपा जैसी पार्टियां ही निशाने पर रहती हैं। लेकिन भाषायी अस्मिता को चुनावी मुद्दा बनाने में उस कांग्रेस का नाम भी जुड़ गया है, जिसने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी को देश की प्रमुख भाषा बनाने का अभियान चलाया था। कोयंबटूर की चुनावी सभा में राहुल गांधी ने तमिल लोगों को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश में एक ही भाषा चाहते हैं। यानी प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी तमिल के खिलाफ हैं। इस पर विवाद खड़ा होना स्वाभाविक है। भाजपा ने राहुल गांधी के इस बयान की शिकायत चुनाव आयोग से की है।

वैसे राहुल गांधी कांग्रेस के पहले नेता नहीं हैं, जिन्होंने भाषा को लेकर ऐसा बयान दिया है। केरल के तिरूवनंतपुरम सीट से चुनाव लड़ रहे शशि थरूर भी चुनाव प्रचार में भाजपा पर ऐसे आरोप लगा चुके हैं। हालांकि उनके बयान को उतनी तवज्जो नहीं मिली, क्योंकि केरल में हिंदी को लेकर तमिलनाडु जैसा माहौल नहीं रहा है। तमिलनाडु में तो हिंदी विरोध में पिछली सदी के साठ के दशक के आखिरी दिनों में आंदोलन तक हो चुका है, लेकिन केरल में ऐसा नहीं है। चाहे राहुल हों या शशि थरूर, दोनों के बयानों का एकमात्र मकसद यही है कि वे अपने वोटरों को इस आधार पर अपने समर्थन में खड़ा करें और उनका मत हासिल करें। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसे विभाजनकारी बयानों की चुनाव में जरूरत है?

भारत की राजभाषा या राष्ट्रभाषा हिंदी हो, इसके खिलाफ पहला सवाल तमिलनाडु से ही उठा। तमिल विरोध के चलते संविधान के प्रावधान में हिंदी को जो हैसियत 26 जनवरी, 1965 को मिलनी चाहिए थी, नहीं मिल पाई। तमिलनाडु में हुए हिंदी विरोधी आंदोलन की वजह से हिंदी देश की आधिकारिक रूप से संपर्क भाषा भी नहीं बन पाई। लेकिन तब से लेकर अब तक कावेरी और कृष्णा नदियों में काफी पानी बह चुका है। राजनीतिक बुनियाद पर भले ही दक्षिणी राज्यों में सीमित हिंदी विरोधी मानसिकता बची हुई हो, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि अब दक्षिणी राज्यों की सोच भी बदल रही है। अगर ऐसा नहीं होता, तो टूटी-फूटी ही सही, दक्षिणी राज्यों में भी हिंदी लिखने-बोलने की कोशिश नहीं होती। हिंदी सिनेमा के गाने दक्षिणी राज्यों में पसंद नहीं किए जाते।

हिंदी की राह में सबसे बड़ी बाधा राजनीति रही है। अपने फायदे-नुकसान को ध्यान में रखते हुए वही स्थानीय लोकभावनाओं को कभी पक्ष, तो कभी विपक्ष में भड़काती है। महात्मा गांधी का सपना था कि आजाद भारत की अपनी भाषा हो, वह केंद्रीय भाषा बने। गुजरातीभाषी होते हुए भी उन्हें हिंदी में ही यह ताकत और संभावना नजर आई। लेकिन स्वाधीन भारत के राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते हिंदी आधिकारिक रूप से केंद्रीय भाषा नहीं बन पाई।

राजनीति ने हिंदी विरोध के लिए अब नया बहाना ढूंढ़ लिया है। बहुभाषिकता और भाषायी लोकतंत्र को बनाए रखने के नाम पर उसका विरोध किया जाता है। दिलचस्प है कि केंद्रीय भाषा के तौर पर विदेशी भाषा तो स्वीकार्य हो सकती है, लेकिन अपनी हिंदी नहीं।

तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी द्रमुक हिंदी की घोषित विरोधी है। जब भी उसे मौका मिलता है, हिंदी विरोध में अपनी आवाज मुखर करने से वह नहीं हिचकती। जब नई शिक्षा नीति लागू हो रही थी, तब भी उसने आरोप लगाया था कि हिंदी को थोपने की कोशिश की जा रही है। द्रमुक इंडिया गठबंधन का प्रमुख हिस्सा है। लेकिन गौर किया जाना चाहिए कि तमिलनाडु में जब प्रधानमंत्री मोदी या अमित शाह या फिर योगी आदित्यनाथ प्रचार में उतरते हैं, तो हिंदी में बोलते हैं। उनके भाषणों का तमिल में अनुवाद होता है। अगर तमिल जनता हिंदी विरोधी होती, तो वह धैर्य से इन नेताओं का भाषण नहीं सुनती। लेकिन कभी ऐसा नहीं लगा कि तमिल लोगों ने इन नेताओं के हिंदी भाषणों में अरुचि दिखाई हो। साफ है कि हिंदी को लेकर दक्षिण का लोकमानस बदल रहा है, अगर नहीं बदल रही है, तो वह है राजनीति। हालांकि कांग्रेस तर्क दे सकती है कि एक भाषा थोपने की उसके नेताओं की बात के पीछे हिंदी विरोध नहीं है। लेकिन केंद्रीय भाषा के रूप में एक भाषा का मतलब स्वतंत्र भारत में हिंदी ही है। ऐसे बयानों से राजनीतिक फायदा जो भी हो, भाषायी मानस का नुकसान होता है।

नक्सलवाद : आखिर कब थमेगी अपने ही युवाओं से खून की होली

योगेंद्र योगी

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई है। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शान्ति का प्रस्ताव भी सामने रखा था लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैण्ड कर दिया गया हैं। ऐसे में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस के गोली का शिकार हुआ हैं। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरफ से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किये जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पायेगा और बस्तर में खून की होली थमेगी। सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय

लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहाँ वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित ज़िलों की संख्या 96 थी वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित ज़िलों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहाँ नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों- छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं।

माओवादियों के थिंक-टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग ज़िले के नक्सलबाड़ी नामक गाँव से हुई और इसीलिये इस उग्रपंथी आंदोलन को %नक्सलवाद% के नाम से जाना जाता है। ज़मींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीडन् पर अंकुश लगाने के लिये सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किये गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया। यह आंदोलन चीन के कम्युनिस्ट नेता माओ त्से तुंग की नीतियों का अनुगामी था। आंदोलनकारियों का मानना था कि भारतीय मज़दूरों और किसानों की दुर्दशा के लिये सरकारी नीतियाँ ज़िम्मेदार हैं। ये लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ हैं और ज़मीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिये हिंसा का सहारा लेते हैं। ये समूह देश के अल्प विकसित क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं और लोगों को सरकार के प्रति भड़काने की कोशिश करते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें माओवादी हिंसा को मुख्यत कानून-व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, लेकिन इसके मूल में गंभीर सामाजिक-आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सलियों का कहना है कि वे उन आदिवासियों और गरीबों के लिये लड़ रहे हैं, जिनकी सरकार ने दशकों से अनदेखी की है। वे ज़मीन के अधिकार एवं संसाधनों के वितरण के संघर्ष में स्थानीय सरोकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। माओवाद प्रभावित अधिकतर इलाके आदिवासी बहुल हैं और यहाँ जीवनयापन की बुनियादी सुविधाएँ तक उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इन इलाकों की प्राकृतिक संपदा के दोहन में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। यहाँ न सड़कें हैं, न पीने के लिये पानी की व्यवस्था, न शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ और न ही रोजगार के अवसर। नक्सलवाद के उभार के आर्थिक कारण भी रहे हैं।

नक्सली सरकार के विकास कार्यों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करते हैं। वे आदिवासी क्षेत्रों का विकास नहीं होने देते और उन्हें सरकार के खिलाफ भड़काते हैं। वे लोगों से वसूली करते हैं एवं समांतर अदालतें लगाते हैं। प्रशासन तक पहुँच न हो पाने के कारण स्थानीय लोग नक्सलियों के अत्याचार का शिकार होते हैं। अशिक्षा और विकास कार्यों की उपेक्षा ने स्थानीय लोगों एवं नक्सलियों के बीच गठबंधन को मज़बूत बनाया है। नक्सलवादियों की सफलता की वज़ह उन्हें स्थानीय स्तर पर मिलने वाला समर्थन रहा है, जिसमें अब धीरे-धीरे कमी आ रही है। सरकार नक्सली चरमपंथ से निबटने के लिये बहुआयामी रणनीति अपना रही है। इसमें सुरक्षा एवं विकास से संबंधित उपाय तथा आदिवासी एवं अन्य कमज़ोर वर्ग के लोगों को उनका अधिकार दिलाने से संबंधित उपाय शामिल हैं। सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे, कौशल विकास, शिक्षा, ऊर्जा और डिजिटल संपर्कता का यथासंभव विस्तार करने के भी प्रयास कर रही है। सरकार की इस नीति के परिणामस्वरूप नक्सलियों के हौसले कमज़ोर हुए हैं तथा उनके आत्मसमर्पण की संख्या लगातार बढ़ रही है। विमुद्रीकरण ने भी नक्सलियों को पहुँचने वाली वित्तीय सहायता पर लगाम लगाई है और इसके बाद से अब तक 700 से अधिक माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सड़कें बनाने की योजना पर तेज़ी से काम कर रही है और वर्ष 2022 तक 48877 किमी. सड़कें बनाने का लक्ष्य रखा गया है। वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में संचार सेवाओं को मज़बूत बनाने के लिये सरकार बड़ी संख्या में मोबाइल टावर लगाने का काम कर रही है। इसके तहत कुल 4072 टावर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। निश्चित तौर पर पुलिस की दवाब बनाने की सक्रिय कार्रवाई और विकास बहुआयामी योजनाओं से नक्सली समस्या जड़मूल से समाप्त हो सकेगी।

दक्षिण में तुरुप का इक्का साबित होंगे 'प्रमोद सावंत'!

संजीव कुमार मिश्र

अबकी बार, 400 पार। यह 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सूत्र वाक्य है। बीजेपी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिशन मोड पर काम कर रही है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक भी इस बात पर एकमत है कि दक्षिण भारत को साधे बिना बीजेपी चार सौ का आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण भारत की चुनावी कमान खुद सम्हाल रखी है। अकेले केरल में मोदी अब तक 6 चुनावी जनसभाओं को संबोधित कर चुके हैं। लेकिन दक्षिण समेत पश्चिम भारत के कई राज्यों में प्रमोद सावंत भाजपा के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं? गोवा के मुख्यमंत्री जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के साथ ही राजग के सहयोगी दलों की दायरा बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। सावंत के नेतृत्व में गोवा ने विकास की जो इबारत लिखी है, उसकी चर्चा अंतरराष्टीय स्तर पर हो रही है। शायद यही वजह है कि पार्टी ने चुनावी रणनीति के लिहाज से दक्षिण भारत के अहम राज्यों की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी हैं। प्रमोद सावंत पार्टी की उम्मीदों पर काफी हद तक खरे भी उतरे हैं। दक्षिण भारत का द्वार कहे जाने वाले कर्नाटक में सावंत की वजह से ही जेडीएस, राजग के साथ आयी। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाली जेडी (एस) पिछले साल सितंबर में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में शामिल हुई थी। जेडीएस के राजग में शामिल होने में प्रमोद सावंत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कर्नाटक में भाजपा 25 जबकि जेडीएस लोकसभा की 3 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। तेलंगाना में भाजपा की विजय पताका फहराने के लिए प्रमोद सावंत जी जान से जुटे हैं। गत वर्ष 2023 से ही प्रमोद सावंत ने राज्य में अपनी सक्रियता बढ़ा दी थी। फरवरी महीने में तेलंगाना में विजय संकल्प यात्रा के बहाने प्रमोद सावंत ने सभी लोकसभा सीटों पर प्रचार किया। पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रमोद सावंत प्रचार के साथ चुनावी रणनीति बनाने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। तेलंगाना में लोकसभा की कुल 17 सीटें हैं। जिसमें से चार पर भाजपा, नौ पर बीआरएस और तीन पर कांग्रेस का कब्जा है। गत चुनावों में एक सीट पर एआईएमआईएम को जीत मिली। इस बार 400 पार का नारा लेकर चुनावी मैदान में कूदी भाजपा का लक्ष्य यहां 10 से अधिक सीटें जीतना है। बीजेपी, केरल में कांग्रेस और वामपंथ का दुर्ग भेदने में जुटी है। निन्संदेह यहां चुनाव की कमान खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभाल रखी है। मोदी अब तक 6 चुनावी जनसभाओं को संबोधित कर चुके हैं। हालांकि, मोदी के 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सावंत बखूबी संभाल रहे हैं। मोदी की गारंटी का प्रचार वो जोर शोर से कर रहे हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात भी कर रहे हैं। इससे राज्य में पार्टी का जनाधार बढ़ा है। लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले पार्टी ने केरल में एक महीने लंबी पदयात्रा निकाली। इसमें उमड़ी भीड़ यह बताने के लिए काफी थी कि सावंत अपने उद्देश्यों में धीरे धीरे सफल हो रहे हैं। 2019 में केरल में बीजेपी खाता भी नहीं खोल पायी थी। इस बार पार्टी को यहां से काफी उम्मीदें हैं। सावंत गोवा के साथ-साथ महाराष्ट्र में भी चुनावी सभाएं कर रहे हैं। नागपुर में कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की। पार्टी महाराष्ट्र के युवाओं में सावंत की लोकप्रियता को भुनाना चाहती है। दरअसल बतौर मुख्यमंत्री सावंत ने कई उपलब्धि हासिल की है। सावंत के कार्यकाल में गोवा देश का पहला राज्य बना, जिसने शत प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित की।

ऋतिक-जू. एनटीआर स्टारर वॉर 2 के एक्शन सीक्वेंस को हॉलीवुड लेवल का बनाने के लिए आए कैप्टन अमेरिका के एक्शन डायरेक्टर स्पिरो रजाटोस

अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित यशराज फिल्म्स की वॉर 2 एक बेहतरीन एक्शन ड्रामा बनने वाली है । निर्माता आदित्य चोपड़ा एक्शन एंटरटेनर वॉर 2 के बजट में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं । और अबा मेकर्स ने ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर की फ़िल्म में एक्शन सीक्वेंस के लिए कैप्टन अमेरिका और फास्ट एंड द फ्यूरियस के एक्शन निर्देशक स्पाइरो रजाटोस को शामिल कर लिया है । वह जल्द ही ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर के साथ शूट करेंगे ।

एक ट्रेड सूत्र ने कहा पुरस्कार विजेता एक्शन निर्देशक स्पिरो रजाटोस, जो कैप्टन अमेरिका- सिविल वॉर, कैप्टन अमेरिका- द फर्स्ट सोल्जर, फास्ट एक्स, एफ9-द फास्ट सागा जैसी ब्लॉकबस्टर एक्शन फिल्मों में अपने स्टंट के लिए जाने जाते हैं, अब वे वॉर 2 के लिए एक्शन डिजाइन करेंगे। और एक ऐसा एक्शन सीक्वेंस बनाएंगे जो लोगों के होश उड़ा देगा। उन्होंने अयान के साथ मिलकर काम करना शुरू कर दिया है और भारतीय दर्शकों को ऐसे एक्शन सेट देने की उनकी बहुत महत्वाकांक्षी योजना है जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखी है ।

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सभी फिल्मों ने केवल ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं और यह दुनिया भर के दर्शकों के लिए एक बड़ा आकर्षण बन गई है, जैसा कि पिछले कुछ वर्षों में इस फ्रेंचाइजी के बॉक्स ऑफिस परिणामों में देखा गया है। आदि को इस स्पाई यूनिवर्स की वर्तमान में हर फिल्म से अत्यधिक अपेक्षाओं का एहसास है। इसलिए, वह इस प्रसिद्ध फ्रेंचाइजी की प्रत्येक फिल्म के साथ बड़े सिनेमाई अनुभव प्रदान करने के लिए प्रयास कर रहे हैं । आदित्य चोपड़ा ने वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स को एक अविस्मरणीय और बेजोड़ ड्रामा अनुभव बनाकर भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा आईपी बना दिया है । वाईआरएफ जासूस ब्रह्मांड की शुरुआत टाइगर फ्रेंचाइजी के साथ हुई, जिसमें सलमान खान और कैटरीना कैफ ने अभिनय किया, जिसकी शुरुआत एक था टाइगर (2012) और टाइगर जिंदा है (2017) से हुई, और ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ अभिनीत वॉर (2019) के साथ जारी रही । फिर शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम अभिनीत सर्वकालिक ब्लॉकबस्टर पठान आई। स्पाई यूनिवर्स की आखिरी फिल्म टाइगर 3 थी जिसमें सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी ने अभिनय किया था। इस प्रसिद्ध फ्रेंचाइजी की सभी फिल्में हिट रही हैं! आदित्य चोपड़ा ने वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म की कहानियों की इंटरकनेक्टिविटी की शुरुआत %पठान% से की, जहां उन्होंने खुलासा किया कि जॉन द्वारा निभाया गया खलनायक जिम, वास्तव में कबीर के साथ एक ही टीम में था, जो कि वॉर फ्रैंचाइज़ी में ऋतिक रोशन द्वारा निभाया गया था । पठान में, आदि ने टाइगर और पठान को पहली बार स्क्रीन पर एक साथ लाया और यह पता चला कि वे सबसे अच्छे दोस्त हैं! पठान ने फिर से टाइगर 3 में उपस्थिति दर्ज कराई और ऋतिक रोशन ने भी ईस्टर एग में उपस्थिति दर्ज कराई जिसने वॉर 2 का आधार तैयार किया । वॉर 2 के बाद, शरवरी के साथ आलिया भट्ट की स्पाई फिल्म फ्लोर पर जाने वाली है।

साउथ की बड़ी फ़िल्मों को हिंदी बेल्ट में रिलीज करने के लिए हुई सबसे बड़ी डील

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 को 200 करोड़ रु. में और प्रभास की कल्कि 2898 एडी के लिए हुई 100 करोड़ रु की डील

साउथ की फ़िल्मों को हिंदी भाषी बेल्ट में काफ़ी पसंद किया जा रहा है । नार्थ इंडिया में साउथ फ़िल्मों की बढ़ती लोकप्रियता ने पैन इंडिया फ़िल्मों का चलन बढ़ा दिया है । ऐसी ही कुछ अपकमिंग पैन इंडिया फ़िल्में हैं जिनके हिंदी बेल्ट के अधिकार दो दिग्गज लीडर्स एए फिल्म्स और पेन मरुधर ने भारी क़ीमतों पर ख़रीदे हैं । सभी आने वाली पैन इंडिया फ़िल्मों में सबसे बड़ी डील हुई है अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 के लिए । अनुमान के मुताबिक, अनिल थडानी ने उत्तर भारत में रिलीज करने के लिए पुष्पा 2 को 200 करोड़ रु. में खरीदा है।

दूसरी सबसे बेहतरीन फ़िल्म है प्रभास और दीपिका पादुकोण की फिल्म साई फ़ाई थ्रिलर कल्कि 2898 एडी जिसके थिएट्रिकल राइट्स अनिल थडानी को 100 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं । फिल्म मई के अंत तक रिलीज होने की तैयारी है ।

इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर राम चरण और शंकर की गेम चेंजर है । इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक, गेम चेंजर को उत्तर भारत में अनिल थडानी को 75 करोड़ रुपये में बेचा गया है । यह राम चरण के लिए अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है और उचित मूल्य दिए जाने पर फिल्म से हितधारकों को उच्च लाभांश मिलने की उम्मीद है।

अगली पंक्ति में एनटीआर की देवरा है, जिसे अनिल थडानी को 45 करोड़ रुपये में बेचा गया है । एक कम प्रसिद्ध निर्देशक के साथ तटीय आंध्र की ग्रामीण फिल्म होने के नाते, यह भी एक बहुत अच्छी रकम है, जो बॉलीवुड के कई अभिनेताओं की तुलना में बहुत अधिक है । और अंत में अंतिम पंक्ति में कमल हासन की फ़िल्म इंडियन 2 है ।

शंकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म पेन मरुधर के लिए जैकपॉट साबित हो सकती है क्योंकि यह फिल्म उन्होंने मात्र 20 करोड़ रुपये में खरीदी है । एक कल्ट फिल्म की अगली कड़ी होने के नाते, यह आसानी से स्थिति बदल सकती है और एक बड़ी कमाई करने वाली फिल्म के रूप में उभर सकती है । अब सभी की निगाहें इन पैन इंडिया फिल्मों पर टिकी हुईं हैं । ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा कि ये फ़िल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म करती हैं ।

अपने फ़िल्मी करियर में आए उतार-चढ़ाव पर, परिणीति ने कहा- मेरा पीआर गेम सही नहीं है

मैं पार्टी में नहीं जाती जहां काम के अवसर पैदा होते हैं
मैं बॉलीवुड में लॉबिंग की प्रणाली को तोड़ना चाहती हूं

नेशनल अवॉर्ड विनर रह चुकी परिणीति चोपड़ा इन दिनों इम्तियाज अली निर्देशित फ़िल्म चमकीला को लेकर प्रशंसा बटोर रही हैं । पंजाबी सिंगर अमर सिंह चमकीला की बायोपिक फ़िल्म, चमकीला में लंबे समय बाद लीड रोल में नज़र आई परिणीति चोपड़ा को उनके रोल के लिए खूब सराहा जा रहा है । हाल ही में चमकीला के प्रमोशन के दौरान परिणीति चोपड़ा ने बॉलीवुड हंगामा के साथ हुए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में अपनी सफलताओं और असफलताओं के बारें में खुलकर बात की । साथ ही बॉलीवुड में चल रही लॉबिंग प्रणाली पर भी खुलकर बोला ।

अपने लिए समान अवसर चाहती हैं परिणीति चोपड़ा- इंटरव्यू के दौरान परिणीति ने जोर देकर कहा कि वह जानती हैं कि उनके करियर में क्या सही और क्या गलत हुआ और उन्होंने कहा, देखिए मैं अभी भोग वही एक्ट्रेस हैं, मुझमें अभी वही टैलेंट हैं । लेकिन मेरे साथ एक प्रोब्लम है कि मेरा पीआर गेम सही नहीं है । मैं डिनर और लंच या पार्टियों में नहीं जाती, जहां बॉलीवुड में काम के अवसर मिलते हैं या रोल्स पर चर्चा होती है । इन इवेंट्स में प्रोजेक्ट बनाए जाते हैं। और मैं उन आयोजनों में नहीं हूं । मैं चाहती हूं कि निर्देशक और निर्माता मुझे मेरे काम के लिए बुलाएं क्योंकि मैं कड़ी मेहनत करने को तैयार हूं । मैंने 10 साल पहले इश्कज़ादे के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है । मैं अब भी वही अभिनेत्री हूं । उन्होंने दिबाकर बनर्जी जैसे फिल्म निर्माताओं के बारे में बात की, जो सिनेमा की प्रतिभा और कला में विश्वास करते हैं और कलाकारों को उनके बाजार मूल्य के बजाय उनकी योग्यता के आधार पर चुनते हैं। गता है कि निर्देशकों, निर्माताओं को, जो प्रतिभा को पहचानते हैं, और यदि वे कड़ी मेहनत को पहचानते हैं, तो उन्हें मेरे पास आना चाहिए और मुझे एक अवसर देना चाहिए । मुझे यही सब चाहिए था । उदाहरण के लिए, दिबाकर बनर्जी जैसे फिल्म निर्माता । मैं उन जैसे निर्देशकों को बहुत-बहुत धन्यवाद कहना चाहती हूं। वे कोई दिन या जगह नहीं देखते, बस अपनी कला पर ध्यान केंद्रित करते हैं और कड़ी मेहनत करते हैं। और वे मानते हैं कि उन्होंने मुझमें मेरी प्रतिभा को देखा, उन्होंने मेरे बाजार मूल्य को नहीं देखा और सोचते हैं कि उनकी पिछली चार फिल्में फ्लॉप थीं, इसलिए, मैं उन्हें अपनी फिल्म में नहीं ले सकता । बहुत सारे लोग ऐसा ही सोचते हैं. लेकिन इन फिल्म निर्माताओं ने मेरी तरफ देखा और कहा, हमें लगता है कि आप एक शानदार अभिनेत्री हैं, और आप हमारी भूमिका के साथ न्याय करेंगी। और मुझे वह काम मिल गया । मैं चाहता हूं कि यह आपकी वर्तमान सामाजिक प्रतिष्ठा से परे हो। हो सकता है कि मैंने गलत फिल्में की हो, लेकिन मैं वैसी ही हूं, जिस अभिनेत्री ने 10 साल पहले शुरुआत की थी और वह सही मंच की तलाश में है । परिणीति ने आगे कहा, मैं उन कलाकारों के लिए आवाज बनना चाहती हूं जो किसी लॉबी का हिस्सा नहीं हैं । हो सकता है कि कोई ऐसी प्रतिभा है जो किसी कारणवश बाहर नहीं आ पा रही हो, और किसी ग्रुप का हिस्सा नहीं बन पा रही हो, ऐसे में सभी को समान अवसर मिलना चाहिए । मुझे उम्मीद है कि हम बॉलीवुड में लॉबिंग की इस प्रणाली को तोड़ देंगे क्योंकि मैं समान अवसर और काम चाहती हूं । फिल्म चमकीला की बात करें ये नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई है । इसमें दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा ने मुख्य भूमिका निभाई है ।फिल्म की कहानी फेमस पंजाबी सिंगर रहे अमर सिंह चमकीला और उनकी पत्नी अमरजोत की जिंदगी, करियर और अचानक हुई मौत के इर्द-गिर्द घूमती है ।

राजकुमार राव ने अपनी प्लास्टिक सर्जरी की सभी खबरों पर लगाया फुल स्टॉप ; 'हां, मैंने 8 साल पहले अपनी चिन पर कुछ फ़िलर का काम करवाया था, क्योंकि मैं कॉन्फ़िडेंट दिखना चाहता था'

राजकुमार राव, जो इन दिनों अपनी आगामी फ़िल्म श्रीकांत- आ रहा है सबकी आंखें खोलने, के प्रमोशन में बिजी हैं । हाल ही में दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में शामिल हुए राजकुमार राव का एक लुक सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हुआ जिसके बाद कहा जाने लगा कि, राजकुमार ने भी अन्य कलाकारों की तरह, खुद को और ज्यादा आकर्षक दिखाने के लिए प्लास्टिक सर्जरी करवाई है । लेकिन अब राजकुमार राव ने अपनी चिन की प्लास्टिक सर्जरी की सभी खबरों पर फुल स्टॉप लगा दिया है । राजकुमार राव ने बॉलीवुड हंगामा को इस खबर की पूरी सच्चाई बतलाई । बॉलीवुड हंगामा के साथ हुए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में राजकुमार राव ने उन खबरों पर फुल स्टॉप लगा दिया जिसमें बताया जा रहा था कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है । राजकुमार ने अपनी उस वायरल तस्वीर, जिसकी वजह से उनके प्लास्टिक सर्जरी करवाने की खबर फैली, को लेकर कहा, मैंने कोई प्लास्टिक सर्जरी नहीं कराई है दोस्तों । यह सिर्फ एक ख़राब या एडिट किया हुआ फोटो है । वह सिर्फ एक टच-अप फोटो है । काश मेरी त्वचा भी ऐसी ही साफ और बेदाग होती क्योंकि उस फ़ोटो में यह वैसी ही दिखती है । मैंने कोई मेकअप नहीं किया हुआ था । लेकिन मुझे कहना होगा कि यह मेरे लिए भी अजीब लगता है । यह बस कैमरे में कैद हुआ एक बुरा पल था । मैंने कोई प्लास्टिक सर्जरी नहीं कराई है । हालाँकि, बॉलीवुड हंगामा के साथ उसी बातचीत में, राजकुमार ने लगभग 8 साल पहले कराए कुछ फिलर का खुलासा किया । उन्होंने बताया, हाँ मैं ये जरुर कहूँगा कि, लगभग आठ साल पहले, मैंने अपनी ठोड़ी पर कुछ फिलर का काम किया था क्योंकि मैं आत्मविश्वासी दिखना चाहता था । मेरे त्वचा विशेषज्ञ ने इसका सुझाव दिया और मैंने वैसा ही किया । क्या उसके बाद मुझे आत्मविश्वास महसूस होता है ? हाँ । क्या मैंने उसके बाद बेहतर फिल्में कीं ? इसने धारणा बदल दी है । मैं इसके खिलाफ नहीं हूं । यदि कोई अपना आत्मविश्वास बढ़ाना चाहता है और विज्ञान उपलब्ध है, तो क्यों नहीं । इसी के साथ राजकुमार ने अंत में क्लीयरली प्लास्टिक सर्जरी करवाने की खबर को झूठा बताया और कहा, मैंने कोई प्लास्टिक सर्जरी नहीं करवाई । यह बहुत महँगी और समय मांगती है ।

हीरामंडी की वो 6 एक्ट्रेस जो बनी हैं मल्लिकाजान, फरीदन, बिब्बोजान, लज्जो, वहीदा और आलमजेब

मल्लिकाजान, फरीदन, बिब्बोजान, लज्जो, वहीदा और आलमजेब के नाम आपने सुने हैं? यह नाम कहीं और नहीं बल्कि संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी के वो कैरेक्टर हैं जो दर्शकों की कसौटी पर कसे जाने के लिए 1 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देंगे. संजय लीला भंसाली ने अपने स्टाइल के मुताबिक इस वेब सीरीज को भव्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. हीरामंडी का बजट लगभग 200 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. इस तरह अंदाजा लगाया जा सकता है कि संजय लीला भंसाली किस तरह की तैयारी के साथ आ रहे हैं. लेकिन आप जानते हैं कि मल्लिकाजान, फरीदन, बिब्बोजान, लज्जो, वहीदा और आलमजेब का किरदार कौन निभा रही हैं और उनके पिछले प्रोजेक्ट कौन से थे. आइए हम आपको बताते हैं कि नेटफ्लिक्स वेब सीरीज हीरामंडी के इन किरदारों और उनके पिछले प्रोजेक्ट्स के बारे में. हीरामंडी की मल्लिकाजान यानी मनीषा कोईराला शहजादा फिल्म में बंटू यानी कार्तिक आर्यन की मम्मी के रोल में नजर आई थीं. मनीषा कोइराला का यह ओटीटी डेब्यू है. सोनाक्षी सिन्हा हीरामंडी में फरीदन का किरदार निभा रही हैं. सोनाक्षी सिन्हा पिछले कुछ समय में भुज, डबल एक्सएल और बड़े मियां छोटे मियां में नजर आ चुकी हैं. हालांकि ये तीनों फिल्में ही बॉक्स ऑफिस पर रंग नहीं जमा सकीं. 2023 में वह %दहाड़% वेब सीरीज के साथ ओटीटी डेब्यू भी कर चुकी हैं. हीरामंडी ओटीटी पर उनका दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट है. हीरामंडी की बिब्बोजान यानी अदिती राव हैदरी पिछले कुछ समय से साउथ सिनेमा में एक्टिव हैं. उनकी आखिरी साउथ फिल्म हे सिनामिका थी. वहीं 2023 में उन्होंने वेब सीरीज ताज- डिवाइडेड बाय ब्लड से ओटीटी डेब्यू कर किया. इसमें वह अनारकली बनी थीं. इसके बाद वह जुबली वेब सीरीज में सुमित्रा कुमारी के रोल में दिखीं. हीरामंडी की लज्जो यानी ऋचा चड्ढा पिछले कुछ समय से सिनेमा और ओटीटी दोनों पर ही एक्टिव हैं. 2023 में वह बॉलीवुड फिल्म फुकरे 3 में दिखीं. इसके साथ ही ओटीटी पर कैंडी और द ग्रेट इंडियन मर्डर जैसी वेब सीरीज भी कर चुकी हैं. हीरामंडी करी वहीदा संजीदा शेख टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं. लेकिन वह पंजाबी और हिंदी सिनेमा में हाथ आजमाती रही हैं. उन्हें आखिरी बार फाइटर फिल्म में देखा गया था जबकि वह हॉरर वेब सीरीज गहराइयां में भी नजर आ चुकी हैं. शर्मिन सहगल हीरामंडी के डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की भांजी हैं. शर्मिन गोलियों की रासलीला राम-लीला, मैरी कौम, बाजीराव मस्तानी, और गंगूबाई काठियावाड़ी में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम कर चुकी हैं. वह हीरामंडी में आलमजेब का किरदार निभा रही हैं।

जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर की तेहरान मई में हो सकती है रिलीज

ईद पर रिलीज़ हुई बड़े मियां छोटे मियां और मैदान की दोहरी असफलताओं ने एक बार फिर बॉलीवुड को गहरा सदमा दिया है । इस साल की सबसे बड़ी फ़िल्मों में से एक मानी जा रही बड़े मियां छोटे मियां और मैदान बॉक्स ऑफिस पर कुछ भी कमाल नहीं दिखा पाई । ऐसे में आने वाली फ़िल्मों में भी एक डर का सा माहौल बन गया है । हालांकि, ऐसा लग रहा है कि मई का महीना आपके लिए चौंकाने वाला साबित हो सकता है । इसी बीच हमें पता चला है कि, जॉन अब्राहम-मानुषी छिल्लर स्टारर तेहरान, जिसकी रिलीज डेट कई बार पोस्टपोन हो चुकी है, अब मई में रिलीज होने की प्लानिंग कर रही है । एक सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया, %%फिल्म की टीम मई में तेहरान में रिलीज करने पर विचार कर रही है । कुछ दिनों में अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा जिसके बाद आधिकारिक घोषणा की जाएगी । तेहरान मूल रूप से 26 जनवरी, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली थी । फिर बाद में, इसे 26 अप्रैल तक आगे बढ़ा दिया । फ़िल्म इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्र ने बताया, अभी तक, मई में केवल दो महत्वपूर्ण हिंदी फ़िल्में रिलीज़ होनी हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

वोट बैंक के लालच में रामलला के दर्शन करने नहीं गई कांग्रेस

जयपुर। भाजपा चुनावी रण में अपनी ताकत दिखा रही है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि राजस्थान तीसरी बार अपनी सभी 25 लोकसभा सीट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देकर 'हैट्रिक' लगाने जा रहा है। शाह ने कहा कि ये चुनाव स्पष्ट रूप से 2 खेमों में बंटा हुआ है। एक ओर 12 लाख करोड़ के घपले, घोटाले, भ्रष्टाचार करने वाली कांग्रेस पार्टी है। दूसरी ओर 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहने के बाद 25 पैसे का भी जिस पर आरोप नहीं है, ऐसे नरेन्द्र मोदी हैं। शाह ने कहा कि ये राहुल बाबा और उनकी बहन हर 3 महीने में विदेश में वैकेशन मनाने जाते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के वक्त ट्रस्ट ने कांग्रेस के नेताओं को निमंत्रण भेजा। लेकिन अपने वोटबैंक के लालच के कारण कांग्रेस रामलला के दर्शन करने भी नहीं गए। जो लोग वोटबैंक के लालच के कारण रामलला के दर्शन नहीं करते हैं, उन्हें देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार का स्कूल चला रहे : राहुल गांधी

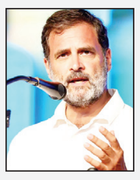

नईदिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चुनावी बॉण्ड से जुड़े मुद्दे का हवाला देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ''भ्रष्टाचार का स्कूल'' चला रहे हैं और ''चंदे का धंधा'' समेत प्रत्येक अध्याय वह खुद विस्तार से पढ़ा रहे हैं। उन्होंने पार्टी की ओर से जारी एक वीडियो विज्ञापन सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा करते हुए प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। इस विज्ञापन में चुनावी बॉण्ड के मुद्दे का उल्लेख किया गया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, नरेन्द्र मोदी देश में 'भ्रष्टाचार का स्कूल' चला रहे हैं जहां 'एंटायर करप्शन साइंस विषय के तहत 'चंदे का धंधा' समेत प्रत्येक अध्याय वह खुद विस्तार से पढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छापा डालकर चंदे की वसूली कैसे होती है, चंदा लेकर ठेका कैसे बांटा जाता है,भ्रष्टाचारियों को शुद्ध करने वाली वाशिंग मशीन कैसे काम करती है, एजेंसियों को वसूली एजेंट बनाकर 'बेल और जेल' का खेल कैसे होता है, इनके बारे में पढ़ाया जा रहा है।

भाजपा की 400 पार की फिल्म फ्लॉप : तेजस्वी यादव

पटना। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को कहा कि बीजेपी की 400 पार फिल्म पहले दिन ही सुपर फ्लॉप हो गई है। उन्होंने दावा किया कि पूरा माहौल महागठबंधन के पक्ष में है। हम अच्छे अंतर से जीतेंगे। बीजेपी की 400 पार फिल्म पहले ही दिन फ्लॉप हो गई। उन्होंने कहा कि पहले चरण की चारों सीटों पर महागठबंधन जीत रहा है। हमने ब्लॉक-वार बैठकें की हैं और फीडबैक बहुत अच्छा रहा है। बीजेपी की 400 पार फिल्म पहले ही दिन सुपर फ्लॉप हो गई है। बिहार की जनता जागरूक है और उन्हें सबक सिखाएगी। यादव ने बताया कि पहले चरण में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है क्योंकि बिहार इस बार चौंकाने वाले परिणाम देगा। उन्होंने कहा कि पहले चरण में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। हमने पहले भी कई बार कहा है कि बिहार इस बार चौंकाने वाले नतीजे देगा।

सिसोदिया को जमानत नहीं कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नईदिल्ली। आप नेता मनीष सिसौदिया को लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए उत्पाद शुल्क मामलों में अंतरिम जमानत की मांग करने वाली उनकी याचिका पर शनिवार को दिल्ली की अदालत से राहत नहीं मिली क्योंकि अदालत ने 30 अप्रैल के लिए आदेश सुरक्षित रख लिया। इससे पहले 12 अप्रैल को कोर्ट ने सिसौदिया की याचिका पर ईडी और सीबीआई को नोटिस जारी किया था। सीबीआई और ईडी की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने केंद्रीय जांच एजेंसियों को 20 अप्रैल तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। सीबीआई के साथ-साथ ईडी ने भी आरोप लगाया कि दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं, लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस शुल्क माफ या कम किया गया और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना लाइसेंस बढ़ाया गया।

प्रियंका के करीबी तेजिंदर सिंह बिट्टू भाजपा में शामिल हुए

शिमला। लोकसभा चुनाव के बीच ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के हिमाचल प्रदेश प्रभारी सचिव और प्रियंका गांधी के करीबी तेजिंदर सिंह बिट्टू ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है। लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस को इससे बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले तेजिंदर सिंह बिट्टू भाजपा के दफ्तर पहुंचे हैं। उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयवीर शेरगिल भी मजूद हैं। तेजिंदर सिंह बिट्टू भाजपा में शामिल हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और पार्टी के जनरल सेक्रेटरी विनोद तवड़े की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए।

महाराष्ट्र के नांदेड़ में राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री का वार

जैसे अमेठी से भागना पड़ा, आप मान के चलिए राहुल वायनाड भी छोड़ेंगे : मोदी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भविष्यवाणी की कि कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी को उनके संसदीय क्षेत्र वायनाड से खदेड़ दिया जाएगा और पार्टी को उनके लिए एक और सुरक्षित सीट ढूंढनी होगी। महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक रैली में पीएम नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि राहुल को बीजेपी नेता स्मृति ईरानी ने अमेठी से भगा दिया था। पीएम ने राहुल पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के शहजादे, उन्हें भी वायनाड में संकट दिख रहा है, जैसे अमेठी से भागना पड़ा, आप मान के चलिए वो वायनाड भी छोड़ेंगे।

मोदी ने कहा कि केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने कांग्रेस नेता पर ऐसी भाषा बोली है जिसका इस्तेमाल मैं भी उनके लिए नहीं करता। मुझे यकीन है कि वायनाड में मतदान पूरा होने के बाद कांग्रेस अपने शहजादा के लिए एक और सुरक्षित सीट की तलाश करेगी। पीएम मोदी ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण में देश की जनता ने बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को एकजुट होकर वोट दिया। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक के साझेदार 25 प्रतिशत सीटों के लिए एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर अभी यह स्थिति है, तो चुनाव के बाद वे क्या करेंगे?

कांग्रेस ने अभी तक अमेठी और रायबरेली के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। राहुल गांधी 2019 में अपने परिवार का गढ़ अमेठी स्मृति ईरानी से हार गए। इस साल की शुरुआत में, उनकी मां सोनिया गांधी ने रायबरेली सीट खाली कर दी और राज्यसभा में चली गईं। मोदी ने कहा कि पहली बार, परिवार उस निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार को वोट नहीं देगा जहां वे रहते हैं क्योंकि वहां कोई पार्टी उम्मीदवार नहीं है। जिस परिवार के भरोसे कांग्रेस चलती है, वो खुद कांग्रेस को वोट नहीं दे पाएगा। विपक्षी गठबंधन को निशाने पर लेते हुए पीएम मोदी ने कहा कि लोग देख रहे हैं कि विपक्षी गठबंधन के भ्रष्ट नेता अपने परिवारों के हितों के लिए इकट्ठे हुए हैं, लेकिन लोगों

ने उन्हें नकार दिया है।

प्रधानमंत्री ने जनसभा में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पहले चरण का मतदान संपन्न हो चुका है। उन सभी को बधाई और आभार जिन्होंने अपना वोट डाला। विशेष रूप से पहली बार मतदाताओं का आभार जिन्होंने लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लिया।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मतदान समाप्त होने के बाद बूथ स्तर पर जो विश्लेषण किया गया और जो जानकारी सामने आई है उसके अनुसार, इस बात की पुष्टि हुई है कि पहले चरण में एनडीए के लिए एकतरफा वोटिंग हुई है।

विरोधी पार्टियों पर हमला करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इंडी अलायंस के लोग अपने स्वार्थ के लिए साथ नजर आ रहे हैं। ये लोग अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए एक साथ आए हैं। इसलिए खबर यही हैं कि पहले चरण में मतदाताओं ने इंडी अलायंस को पूरी तरह नकारने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ये लोग दावे जो भी करें, लेकिन सच्चाई यही है कि चुनाव की घोषणा से पहले से ही कांग्रेस के नेताओं ने हार मान ली थी। हालात ये हैं कि इंडी अलायंस वालों को इस चुनाव में लड़ने के लिए उम्मीदवार भी नहीं मिल पा रहे हैं। ज्यादातर सीटों पर इनके नेता प्रचार करने ही नहीं जा रहे हैं, क्योंकि इन्हें चुनाव के परिणाम के बारे में पता है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' देश की जनता को यह नहीं बता पाया कि गुट का नेता कौन होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव का लक्ष्य भारत को एक विकसित देश बनाना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आतंकी हमलों पर चर्चा की जगह 'सर्जिकल स्ट्राइक' पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि 2014 में जब मैं पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहा था तो उस दौरान चर्चा के विषय क्या थे? अखबारों में कौन से विषय छपे थे ? उस समय टीवी पर किस विषय पर चर्चा होती थी- हर दिन बम धमाकों की खबरें सुर्खियों में रहती थी। पांच साल बाद 2019 में सीमा पार हमलों की चर्चा बंद हो गई। सर्जिकल स्ट्राइक और 'ये तो मोदी है घर में घुस कर मारेगा' की चर्चा शुरू हो गई।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी बेल है, जिसकी अपनी न कोई जड़ है, न जमीन है और इसे जो सहारा देता है, उसे ही सूखा देती है। आजादी के समय कांग्रेस ने देश का विभाजन करवा दिया, आजादी के बाद कश्मीर की समस्या खड़ी कर दी। कांग्रेस ने 370 के बहाने बाबा साहेब का संविधान कश्मीर में लागू नहीं होने दिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि 2024 का चुनाव सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं हो रहा है बल्कि देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हो रहा है। पिछले कार्यकाल में हमने चंद्रयान की सफलता देखी, अगले कार्यकाल में देशवासी गगनयान की सफलता देखेंगे। सिर्फ 10 वर्षों में देश ने विकास की लंबी दूरी तय की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपके सपने ही मेरा संकल्प है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 4 जून के बाद इंडी गठबंधन सत प्रतिशत एक दूसरे के कपड़े फाड़ने वाले हैं। इन्हें वोट देकर क्या कोई वोट बर्बाद करेगा क्या। पीएम ने मतदाताओं से अपील की है कि इंडी गठबंधन को वोट न दे। एनडीए के उम्मीदवारों के समर्थन में वोट डाले।

राहुल ने भागलपुर रैली में पीएम मोदी पर बोला हमला

आरएसएस और भाजपा संविधान खत्म करने की कोशिश कर रही

पटना। राहुल गांधी ने बिहार में अपनी चुनावी जनसभा की शुरुआत भागलपुर से की है। शनिवार को भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड मैदान में उन्होंने भागलपुर के कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। राहुल गांधी ने इस रैली के जरिए सत्ता पक्ष पर जमकर निशाना साधा। उनके साथ इस रैली में पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, वीआइपी पार्टी के नेता मुकेश सहनी समेत महागठबंधन के कई अन्य प्रमुख नेता शामिल हुए।

राहुल गांधी ने कहा कि ये संविधान को बचाने का चुनाव है। आरएसएस और भाजपा संविधान खत्म करने की कोशिश कर रही है। आज हिंदुस्तान में 22 ऐसे लोग हैं जिनके पास उतना ही धन है जितना हिंदुस्तान के 70 करोड़ लोगों के पास है। नरेंद्र मोदी के हिंदुस्तान में 70 करोड़ लोग ऐसे हैं जिनकी आमदनी 100 रुपए से कम हैं। अंबानी और अडानी का नाम लेकर पीएम मोदी पर राहुल गांधी ने भागलपुर में निशाना साधा।

राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा को 150 सीटों से ज्यादा नहीं मिलने वाला है। भाजपा के लोग जो भी दावा कर लें। उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन क्या करेगा वो बताता हूं। नरेंद्र मोदी ने 22-25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपया माफ किया। मतलब जितना हमने किसानों का माफ किया था, उसका 25 गुना उन्होंने 4-5 अमीर उद्योगपतियों का नरेंद्र मोदी ने माफ किया है। अब हमारे गठबंधन ने निर्णय लिया कि जितना पैसा अमीर उद्योगपतियों का माफ किया। उतना हम गरीबों का माफ करेंगे। हम आएंगे तो हिंदुस्तान के गरीब परिवारों का लिस्ट निकालेंगे। महालक्ष्मी योजना का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हमारी सरकार आएगी तो हर परिवार से एक महिला चुनी जाएगी। साल का एक लाख, महीना का 8500 रुपए उसके बैंक खाते में कांग्रेस पार्टी डालेगी।

राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने हिंदुस्तान

को बेरोजगारी का सेंटर बना दिया है। इंस्टाग्राम-फेसबुक पर घंटों बैठे रहते हैं। पहली नौकरी पक्की का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हम अपरेंटिस का अधिकार देने जा रहे हैं। हिंदुस्तान के हर युवा को पहली नौकरी का अधिकार हमारी अगली सरकार देने जा रही है। ग्रेजुएट- डिप्लोमा होल्डर को को पहली नौकरी का अधिकार दिया जाएगा। ये अपरेंटिस पर रखे जाएंगे। अगर वो पहले साल अच्छा काम करेंगे तो उन्हें परमानेंट कर दिया जाएगा। करोड़ों युवाओं को ट्रेनिंग मिलेगी। साल का एक लाख रुपया उनके खाते में सरकार डालेगी। वहीं किसानों के कर्ज माफी का वादा भी राहुल गांधी ने किया।

नरेंद्र मोदी ने सेना के खिलाफ योजना अग्निवीर योजना लायी है। इसकी कोई जरूरत नहीं है। हमें दो तरह के शहीद नहीं चाहिए। हमारी सरकार आएगी तो इस योजना को बाहर फेंक देंगे। इन्होंने पांच तरह की जीएसटी बना दी है। हमारी सरकार आएगी तो जीएसटी को बदलेंगे, एक टैक्स होगा और कम से कम टैक्स होगा। राहुल गांधी ने कहा कि हमारी सरकार आशा-आंगनबाड़ी की आमदनी दोगुना करेगी। मनरेगा की न्यूनतम मजदूरी 400 रुपए होगी। महागठबंधन के 5 उम्मीदवारों अजीत शर्मा, तारिक अनवर, बीमा भारती, जयप्रकाश यादव और मोहम्मद जावेद के समर्थन में वोट की अपील राहुल गांधी ने की।

खेल
प्रमुख समाचार

आरसीबी के सामने केकेआर की आज होगी कठिन मुकाबला

नईदिल्ली। लगातार हार झेली रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को बखूबी पता है कि अब किसी चूक की गुंजाइश नहीं है। लिहाजा रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में उसे हर हालत में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सात मैचों में से छह हार के बाद आरसीबी का पहला आईपीएल खिताब जीतने का सपना टूटता नजर आ रहा है।

आईपीएल 2024 में पांच हार के बाद आरसीबी अंकतालिका में सबसे नीचे है और प्लेआफ की उम्मीदें बनाये रखने के लिये उसे बाकी सातों मैच जीतने होंगे। आरसीबी की कमजोर कड़ी उसके गेंदबाज साबित हुए हैं और टीम पूरी तरह से विराट कोहली, फाफ डु प्लेसी और दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी पर निर्भर रही है। ऐसे में केकेआर की चुनौती उसके लिये काफी कठिन होगी। कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा था ,'' गेंदबाजी में हमारी तरकश में ज्यादा तीर नहीं है। इससे सारा दबाव बल्लेबाजों पर आन पड़ा है। हम सिर्फ बड़े स्कोर बनाकर ही मैच जीत सकते हैं।'' सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ ही टूर्नामेंट का सर्वोच्च स्कोर तीन विकेट पर 287 रन बनाया था। इस सत्र में सबसे महंगे 11 करोड़ 50 लाख रूपये में खरीदे गए अलजारी जोसफ ने तीन मैचों में एक ही विकेट लिया और 11 . 89 की इकॉनॉमी रेट से रन दिये। आस्ट्रेलियाई हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल भी फॉर्म के लिये जूझ रहे हैं जिन्होंने मानसिक थकान का हवाला देकर सनराइजर्स के खिलाफ नहीं खेला। उनके कूल्हे की मांसपेशी में खिंचाव के कारण वह कुछ और मैचों में बाहर रह सकते हैं। बल्लेबाजी में टीम कोहली , डुप्लेसी और कार्तिक पर ही निर्भर है। कोहली 72 . 20 की औसत से 361 रन बना चुके हैं लेकिन 135 का स्ट्राइक रेट चिंता का विषय है। वह सातवें से 15वें ओवर के बीच स्पिनरों के सामने तेजी से रन नहीं बना पा रहे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

आईएमएफ, विश्व बैंक ने जी-20 अध्यक्षता की प्रशंसा की

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान कई प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर आम सहमति बनाने में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत द्वारा निभाई गई भूमिका की व्यापक सराहना की गई। भारत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत ने 9-10 सितंबर तक नयी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। शिखर सम्मेलन ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर प्रमुख मतभेदों को दूर करते हुए आम सहमति से 37 पेज के घोषणा पत्र को अपनाया और वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के मौके पर शुक्रवार को बताया, वैश्विक स्तर के लिए प्रासंगिक कई मुद्दों पर आम सहमति बनाने में जी-20 में भारत की अध्यक्षता की व्यापक सराहना हो रही है।

एमफोर्स ऑटोटेक लिमिटेड का आईपीओ अगले हफ्ते खुलेगा

नई दिल्ली। अगर आप आईपीओ में निवेश करना पसंद करते हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। अगले हफ्ते आटो पार्ट्स बनाने वाली कंपनी एमफोर्स ऑटोटेक लिमिटेड का आईपीओ खुलने जा रहा है। इस आईपीओ में निवेश करके आप अच्छी कमाई कर सकते हैं। कंपनी की योजना बाजार से 54 करोड़ रुपये जुटाने की है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी का आईपीओ 23 अप्रैल को खुलेगा। कंपनी का मुख्यालय पंचकूला में है। कंपनी के आईपीओ में 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले 54.99 लाख ताजा इक्विटी शेयरों की बिक्री शामिल है। एमफोर्स ऑटोटेक ने बताया कि आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 93-98 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ 25 अप्रैल को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशकों के लिए बोली 22 अप्रैल को खोली जाएगी।

केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर ने निवेशकों को किया मालामाल

नई दिल्ली। शेयर बाजार में बहुत से ऐसे स्टॉक्स हैं जिन्होंने निवेशकों को करोड़पति बना दिया है। इन शेयरों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। हालांकि कई स्टॉक्स ऐसे भी हैं, जिसमें निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ऐसे में आप किसी भी स्टॉक्स में निवेश करने से पहले एक बार अपने वित्तीय सलाहाकार से बात जरूर कर लें। ऐसा नहीं करने पर आपको आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ सकता है। आज हम आपको ऐसे ही एक शेयर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। यह शेयर केपीआई ग्रीन एनर्जी का है। कभी 8 रुपये पर ट्रेड कर रहे इस शेयर की कीमत अभी 1700 के पार निकल चुकी है। इस शेयर ने निवेशकों को 22 हजार फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। शेयर में अभी भी तेजी बनी हुई है। इस शेयर में पिछले 4 वर्षों से तूफानी तेजी देखी जा रही है।

कंट्रोलिंग स्टेक खरीदने की तैयारी में टाटा समूह

नईदिल्ली। टाटा समूह भारत में आईफोन का मैन्युफैक्चरिंग करने वाली पेगाट्रॉन कॉरपोरेशन में ऑपरेशंस का नियंत्रण हासिल करने की तैयारी में हैं। उसके लिए ग्रुप पेगाट्रॉन के साथ डील कर सकता है। जानकारी के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि ये डील मई महीने में फाइनल हो सकती है। अगर ये डील होती है तो माना जा रहा है कि एपल इंक और टाटा ग्रुप के बीच के संबंध और मजबूत होंगे। एपल का हैंडसेट एसेंबल करने वाली इस ताइवानी कंपनी में कंट्रोलिंग स्टेक खरीदने का प्रोसेस अंतिम चरण में हैं। बता दें, आईफोन का प्रोडक्शन प्लांट चेन्नई के पास है, जबकि एक और प्लांट लगाने के लिए काम चल रहा है। मनी कंट्रोल ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि इस डील के बाद पेगाट्रॉन टाटा ग्रुप को मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में मदद कर सकती है।

वैश्विक ऊंचाई पर भारतीय खिलौना कारोबार

डॉ. जयंतीलाल

व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा हालिया प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 2014-15 से 2022-23 के बीच तेज प्रगति की है। इस अवधि में निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई, जबकि आयात में 52 प्रतिशत तक की कमी आयी। इससे यह रेखांकित होता है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान से भारत का खिलौना उद्योग वैश्विक ऊंचाई पर है। इस अभियान ने चीन को झटका देते हुए खिलौना निर्माण को भारत के लिए फायदे का सौदा साबित कर दिया है। चीन से खिलौनों की खरीदारी करने वाले कई देश अब भारत का रुख कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं हैं क्योंकि कोई एक दशक पहले खिलौनों की भारत से मुश्किल से ही किसी तरह की खरीद होती थी। इस समय हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे खिलौने के वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए भारत पर अधिक निर्भर हैं। इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास आदि भी अपना ध्यान चीन से हटाकर भारत पर केंद्रित कर रही हैं। पांच-छह वर्ष पहले तक भारत खिलौनों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था और 80 फीसदी से अधिक खिलौने चीन से आयात किये जाते थे। विभिन्न सर्वेक्षणों में लगातार कहा जा रहा था कि चीन से आयातित दो-तिहाई खिलौने असुरक्षित थे। उनमें सीसा, कैडमियम और बेरियम जैसे असुरक्षित तत्व पाये गये थे।

भारतीय खिलौना उद्योग की बहुत कम समय में हासिल ऐसी सफलता की कभी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। भारत का खिलौना निर्यात पांच-छह वर्षों में तेजी से बढ़कर 2,600 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय

संघ, ऑस्ट्रेलिया, यूएइ, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किये जा रहे हैं। इस समय भारतीय खिलौना उद्योग का कारोबार करीब 1.5 अरब डॉलर का है, जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0.5 फीसदी मात्र है, पर जिस तरह इस उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे इसके इसी वर्ष तीन अरब डॉलर तक होने की संभावना है। इस बढ़ोतरी के कई कारण हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार देश के लोगों से स्वदेशी भारतीय खिलौने खरीदने, घरेलू डिजाइनिंग सुदृढ़ बनाने, भारत को खिलौनों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की अपील की है। बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन-प्लस-वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत करने जैसे उपायों से खिलौना उद्योग में तेजी आयी है। बीआइएस ने घरेलू निर्माताओं को 1,200 से अधिक लाइसेंस और विदेशी निर्माताओं को 30 से अधिक लाइसेंस प्रदान किये हैं।

सरकार के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग के लिए अधिक अनुकूल विनिर्माण परितंत्र बनाने में मदद मिली है। वर्ष 2014 से 2020 तक की अवधि में विनिर्माण इकाइयों की संख्या दोगुनी हो गयी, जबकि आयातित वस्तुओं पर निर्भरता 33 प्रतिशत से घटकर 12 प्रतिशत हो गयी। वर्तमान में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमइ) मंत्रालय 19 खिलौना उत्पादन केंद्रों की मदद कर रहा है तथा वस्त्र मंत्रालय 13 केंद्रों को डिजाइनिंग करने और जरूरी साधन मुहैया कराने में सहयोग कर रहा है। स्वदेशी खिलौनों को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रचार पहल भी की गयी हैं, जिनमें इंडियन टॉय फेयर 2021, टॉयकैथॉन आदि शामिल हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने घटिया स्तर के खिलौनों के आयात पर अंकुश लगाने के लिए प्रत्येक आयात खेप का नमूना परीक्षण अनिवार्य कर दिया है। वर्ष 2014-15 के बाद से इस बार के अंतरिम बजट तक में लगातार सरकार ने खिलौना उद्योग के विकास के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहन और समर्थन देने की पहल की है। खिलौना उद्योग को देश के 24 प्रमुख सेक्टरों में स्थान दिया गया है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की नीतिगत पहलों के साथ-साथ घरेलू निर्माताओं के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

आदिवासियों की सुरक्षा है प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

हर सही काम पर सवाल खड़े करना कांग्रेसी चरित्र

रायपुर।* बस्तर में लोकसभा के लिए पहले चरण के मतदान के दो दिन पहले कांकेर में नक्सलियों के खिलाफ की गई कार्रवाई को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुरक्षा बलों की ऐतिहासिक सफलता करार दिया है। उनका कहना है कि हमारे जवानों ने अराजक तत्वों के कुचक्रों को कुचलकर रख दिया है। यह ऐतिहासिक सफलता है। देश नक्सल समस्या से मुक्ति की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस मुठभेड़ में शामिल सभी जवान और सुरक्षा अधिकारी बधाई के पात्र हैं।

एक प्रश्न के जवाब में मख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उक्त प्रतिक्रिया दी । उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के नक्सल मामलों के इतिहास की यह सबसे बड़ी सफलता है। यह बात सभी को पता है कि देश में सक्रिय माओवादी लोकतंत्र में आस्था नहीं रखते और हर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को हिंसात्मक गतिविधियों से प्रभावित करते हैं। चुनाव प्रक्रिया को

प्रभावित करने की साजिश को हमारे जवानों ने विफल किया है। इसके लिए हमारे जवान बधाई के पात्र हैं।

श्री साय ने चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का आशय पूछे जाने पर कहा कि इसमें दो मुख्य बातें हैं। एक यह कि बस्तर में पड़ा हर वोट लोकतंत्र के बारे में नक्सलियों द्वारा गढ़े गए झूठे नैरेटिव व दुष्प्रचार को ध्वस्त करता है। हालत यह है कि माओवादी मतदान करने पर लगाई जाने वाली स्याही लगी अंगुलियों को काट देने का फरमान तक जारी करते हैं। इसके बावजूद हमारे आदिवासी भाई-बहन जम कर वोट करते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान हमारे विधायक भीमा मंडावी की हत्या कर दी गई थी। दिवंगत विधायक का परिवार फिर भी वोट डालने के लिए कतार में खड़ा था। यह समर्पण है लोकतंत्र के प्रति बस्तर के आदिवासियों का। हम सभी जानते हैं कि आज देश भर में भाजपा के पक्ष में सबसे अधिक संभावना है। छत्तीसगढ़ में भी हम सभी 11 लोकसभा सीटें जीतने के प्रति आश्वस्त हैं। ऐसे में नक्सली किसे नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, यह कहने की आवश्यकता नहीं है। नक्सल मुक्ति के लिए राज्य सरकार द्वारा किये जाने वाली कार्रवाई के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम नक्सलियों से सदैव अपील करते रहे हैं कि बंदूक छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो जाओ। हम सदैव बातचीत के लिए तैयार हैं पर बात होगी शांति, विकास व समाज के सरोकार की। हमारी सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कई विकास योजनाएं चलाती हैं। हमने नियद नेल्लानार अर्थात आपका अच्छा गांव योजना प्रारंभ की है जिसमें हमारे विकास कैम्प के आसपास के गांवों तक हम शासकीय सुविधाओं और योजनाओं को पहुंचा रहे हैं। हिंसक घटनाओं के सवाल पर सीएम साय ने कहा कि यह भी किसी को गलतफहमी न हो कि हम हिंसा को सहन कर लेंगे। हम हर तरह की हिंसा से कड़ाई से निपटेंगे। हम प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप इस समस्या के उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध हैं। जैसा कि भारत के गृहमंत्री ने भी कहा है कि हमारी प्राथमिकता बस्तर को नक्सल मुक्त करने की है। हम सब उसी दिशा में काम कर रहे हैं। श्री साय ने कहा कि लगभग सौ दिनों में 63 मुठभेड़ों में 54 नक्सलियों के शव, 77 हथियार और 135 विस्फोटक बरामद किए गए हैं। 304 माओवादियों को गिरफ्तार करने में भी सुरक्षा बलों को सफलता मिली है। 165 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। नक्सल संबंधी कुल 26 प्रकरणों को देश की प्रमुख जांच एजेंसी एनआइए को सौंपा है। गौरतलब है कि विगत 4 माह के दौरान 24 फॉरवर्ड सुरक्षा कैम्पों की स्थापना की गई है। निकट भविष्य में 29 नए बेस कैम्पों की स्थापना प्रस्तावित है। जवानों द्वारा नक्सलियों पर की गई कार्रवाई को भूपेश बघेल द्वारा फर्जी करार दिए जाने पर विष्णु देव साय ने कहा कि कांग्रेसियों का चरित्र ही है ऐसा है कि वे हर सही काम पर सवाल उठाते हैं। वे सुरक्षा बलों के शौर्य पर सवाल दागते हैं। इस बार वे मुठभेड़ का सबूत मांग रहे हैं या इसे फर्जी करार दे रहे हैं, जो नई बात नहीं है। फिर भी मैं विपक्ष के लोगों से सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि कुछ जगह राजनीति नहीं करनी चाहिए। नक्सल विचारधारा पूरे समाज के लिए घातक है। आदिवासी भाई-बहनों की जान, उनके जंगल और जमीन की रक्षा हम हर कीमत पर करेंगे।

भूपेश बघेल अब अन्याय के प्रतीक बन चुके हैं:भाजपा

दिवंगत राजा देवव्रत सिंह की पत्नी ने वीडियो जारी कर कहा उनके पति को भूपेश बघेल ने खून के आंसू रुलाया

रायपुर। दिवंगत राजा देवव्रत सिंह की पत्नी रानी विभा देवब्रत सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश पर अपने पति को खून के आंसू रुलाने का आरोप लगाया है । इसकी भारतीय जनता पार्टी की महिला विधायकों ने कड़ी निंदा की है । साथ ही कहा कि भूपेश बघेल ओछी राजनीति करते कांग्रेस नेताओं के परिवार तक में दखल देते हैं । आज कांग्रेस पार्टी में अन्याय, आतंक और अत्याचार का पर्याय बन चुके हैं भूपेश बघेल! जिसने महलों तक को नहीं छोड़ा व भला प्रजा को क्या छोड़ेगा। भारतीय जनता

पार्टी की महिला विधायक रेणुका सिंह, भावना वोहरा, गोमती साय ने कहा कि सोशल मीडिया में जारी वीडियों में दिवंगत पूर्व विधायक राजा देवव्रत सिंह की धर्म पत्नी रानी विभा देवी ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल व कांग्रेस पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं । साथ ही यह भी कहा है कि भूपेश बघेल लोकसभा चुनाव में वोट बटोरने के लिए जनता को धोखा देने का काम कर रहे हैं । तलाकशुदा पत्नी पद्मा देवी को वतर्मान पत्नी बताकर जनता को गुमराह कर रहे हैं । हर दिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता भूपेश बघेल की प्रताड़ना, अन्यायपूर्ण बर्ताव की वजह से कांग्रेस छोड़ते जा रहे हैं । कांग्रेस पार्टी में आज भगदड़ मची हुई है । कांग्रेस में ही लोग कहने लगे हैं कि भूपेश बघेल ने किसी को नहीं छोड़ा । वीडियो में विभा सिंह ने खुला आरोप लगाया है कि कांग्रेस पार्टी और पद्मा सिंह ने मिलकर महल में बलवा करवाया था। कांग्रेस पार्टी के गुंडों ने तोड़फोड़ कर उन पर भी जानलेवा हमला करवाया था । साथ ही खैरागढ़ महल की राजनीति को खत्म कराया। उन्होंने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर दिवंगत विधायक के नाम पर राजनीति करने का भी आरोप लगाते हुए कहा कि राजनांदगांव से कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल आज स्व. राजा देवव्रत सिंह की पूर्व पत्नी पद्मा सिंह, यशोदा वर्मा को बार - बार मंच पर प्रचार के लिए साथ ले जा रहे हैं । ये लोग बहुत ही गलत कर रहे हैं, उनको ऐसा नहीं करना चाहिए। भूपेश बघले आज स्व. राजा देवव्रत सिंह के नाम पर वोट मांग रहे हैं, लेकिन जब वो पार्टी में थे । तब भूपेश बघले ने उनके पति को खून के आंसू रुलाया था, जिसके चलते उन्होंने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था । आज उनके नाम का इस्तेमाल करके फायदा उठाया जा रहा है । रानी विभा देवब्रत सिंह ने कहा है कि अब वे इस मामले में चुनाव आयोग से शिकायत करने जा रही हैं। भारतीय जनता पार्टी की महिला विधायको ने कहा कांग्रेस पार्टी नारी सम्मान का केवल दिखावा करती हैं । हकीकत यह है कि कांग्रेस में कभी भी महिलाओं को सम्मान मिला ही नहीं है । हमेशा उन्हें अग्रिम पंक्तियों से वंचित रखा गया ताकि सक्रिय राजनीति में उनकी भूमिका नाममात्र की ही रहे । दूसरी ओर विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी शक्ति का मान बढ़ाने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू कराया जिससे कि उनको विधानसभा और लोक सभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा नारी शक्ति की भागीदारी बढ़ सके ।

सपा की साइकिल हो गई है पंचर-साय

एमपी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी वीडी शर्मा के प्रचार में पहुंचे सीएम साय ने ली चुटकी

रायपुर/कटनी। मध्यप्रदेश के खजुराहो में भाजपा सबसे ज्यादा मतों से जीत दर्ज़ करेगी। यहां कांग्रेस का प्रत्याशी नहीं है। समाजवादी पार्टी को इडी अलायंस के समझौते में यहां सीट मिली है, पर यहां सपा की सायकल पंचर हो गई है। मध्यप्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी वीडी शर्मा के प्रचार में पहुंचे सीएम साय ने चुटकी लेते हुए उक्त बातें कही। उन्होंने कहा टेक्निकल फॉल्ट के कारण समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी का नामांकन खारिज़ हो गया। इसलिए दावे के साथ कह सकता हूँ कि वीडी शर्मा जी यहां सबसे ज्यादा मतों से जीत दर्ज़ करेंगे।

गाली गलौच से नाराज होकर नाती ने कर दी वृद्धा की हत्या

रायपुर। हत्या के आरोपी को चंद घंटो के अंदर गिरफ्तार किया गया है।पुलिस ने बताया कि चौकी रामनगर क्षेत्र के गोपाल नगर निवासी 65 वर्ष वृद्ध महिला को उसके ही नाती द्वारा टंगिया से मारकर हत्या कर फरार हो गया था। गुढियारी पुलिस टीम द्वारा चंद घंटो के अंदर ही आरोपी दिनेश साहू उर्फ दीनू पिता झरोख साहू उम्र 21 वर्ष साकिन गली नं. 01 गोपाल नगर झोपड पट्टी रामनगर थाना गुढियारी को गिरफ्तार कर पूछताछ किया गया जो बताया कि 20.04.2024 के करीबन 04.00 बजे मृतिका द्वारा पैसा नही देने व गाली गलौच करने की बात को लेकर घर में रखे टंगिया से प्राण घातक हमला कर हत्या कर दिया।

भूपेश को लोकतांत्रिक तरीके से सबक सिखाने की जरूरत:देवलाल

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा हैं जिसमें वो ग्रामीण की शिकायत पर भड़के नज़र आ रहे हैं उक्त वायरल वीडियो देखकर ही समझा जा सकता हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कितने गुस्से में है। कि हार की हताशा में छोटी छोटी बातों पर अपने कार्यकर्ताओं पर आगबबूला हो रहें हैं। दरअसल भूपेश बघेल अपने चुनावी दौरे पर डोंगरगढ़ विधानसभा के ग्राम बेलगांव गये थे। इसी बीच वहां उपस्थित ग्रामीणों ने क्षेत्र की विधायक की शिकायत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से कर दी । इस पर भूपेश बघेल नाराज़ होकर ग्रामीणों से कहते हैं कि मेरे को बुलाएं हो तो मैं आया हूं उनकी बात मत करों। इस पर तंज कसते हुए

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल काफी उग्र स्वभाव

के है और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में मिली कांग्रेस को करारी हार के बाद से तो और भी बौखला गए हैं। ऊपर से कांग्रेस हाईकमान ने उनको राजनांदगांव लोकसभा सीट से प्रत्याशी घोषित करके चुनावी रण में बिना उनकी इच्छा के उतार दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कई दिग्गज कांग्रेसी नेता चुनाव लड़ना ही नहीं चाहते थे। कुछ ने तो हाईकमान को चुनाव नहीं लड़ने दो टूक कह दिया था। भूपेश बघेल पार्टी के दबाव में मजबूरन चुनाव लड़ रहे हैं और उन्हें भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी वर्तमान सांसद संतोष पांडेय से भारी चुनौती का सामना करना पड़ रहा हैं। भूपेश बघेल के नामांकन पत्र दाखिल रैली में ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने भरे मंच से भूपेश बघेल को जमकर खरी खोटी सुनाई। इसके बाद कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता ने हाईकमान को पत्र लिखकर भूपेश बघेल की उम्मीदवारी पर ही सवाल उठाते हुए उन्हें हटाने की मांग तक यह कहकर कर? दी कि भूपेश बघेल पर भ्रष्टाचार का आरोप है और इस मामले में उन पर एफआईआर भी दर्ज है। एक के बाद एक नेता प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भूपेश बघेल पर निशाना साध रहे हैं। इसकी वजह से भूपेश बघेल की टेंशन बढ़ गई है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सलाह देते हुए कहा कि सबसे पहली बात क्रोध जीवन में आना हीं नहीं चाहिए, दूसरी बात एक जनप्रतिनिधि को तो हमेशा ही शालीन आचरण और व्यवहार रखना चाहिए क्योंकि आप राजनीति में आए ही है जनसेवा के लिए । लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन हैं। कुछ मीठे तो कुछ तीखे प्रश्न जनता के द्वारा किए जाते ही हैं। जिनका जवाब जनप्रतिनिधियों को बड़े ही धैर्य और संयम बरतते हुए शालीनता से देना चाहिए क्योंकि आज आप जिस जगह पर है वो जनता की ही देन हैं।

कांग्रेस का चरित्र ही है दूसरों का हड़पना और भ्रष्टाचार करना तो सरगुजा प्रत्याशी शशि सिंह कैसे रहतीं पीछे

भाजपा ने कांग्रेस से पूछा, बताएं अब तो उनके ही नेता लगा रहे अपने ही प्रत्याशी पर आरोप

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक शिवरतन शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस का चरित्र ही है कि दूसरों के हक के छीनना और उसे हड़पना अगर मौका मिले तो वे भ्रष्टाचार करने से भी नहीं चूकते। इसका जीता जागता उदाहरण जनता ने कांग्रेस की भूपेश सरकार के 5 सालों में बखूबी देखा और सुना है। कांग्रेसियों की लूट-खसोट और सत्ता पाते ही जमकर भ्रष्टाचार करके अपनी तिजोरी भरने की भूख इस कदर बढ़ जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं तक को नहीं छोड़ते हैं। कांग्रेस की सरगुजा से लोकसभा प्रत्याशी रश्मि सिंह पर भाजपा ने आरोप लगाते हुए कहा, एक कांग्रेसी नेता ने ही शशि सिंह पर अपनी जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। उन्होंने शशि सिंह, और उनकी मां पुष्पा देवी सिंह के खिलाफ लिखित शिकायत की है। इसकी पोल पट्टी जब जनता के सामने खुल गई है तो बौखलाए कांग्रेसी उल्टा चोर कोतवाल वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भाजपा को जिम्मेदार ठहरा रहे है। जो

निंदनीय और तुच्छ और कांग्रेसियों की संकीर्ण मानसिकता का परिचायक है। अपने पार्टी के अंदर मचे घमासान और गुटबाजी को संभालने के बजाए कांग्रेसी हर चीज के लिए भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि कांग्रेसियों की बुद्धि उस समय घास चरने चली गई थी, जब उनके पार्टी के पदाधिकारी ने कांग्रेस के फंड में करोड़ों रुपए गबन करने का सबूत सहित आरोप लगाए थे। क्या, हुआ उस मामले को भी संज्ञान में लेने के बजाए कांग्रेस ने भूपेश बघेल के सलाहकार रहे विनोद वर्मा को बचाने का काम किया। किसके इशारे पर कांग्रेस पार्टी के फंड के पैसे में गबन किया गया है।

नियम विरूद्ध पार्टी के फंड में घपलेबाज पदाधिकारी के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई। इसे भी सरगुजा ही नहीं प्रदेश की जनता जानना चाहती है। आज जब कांग्रेस पार्टी के नेता ने कांग्रेस प्रत्याशी पर रायपुर में जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। इसकी बकायदा थाने में शिकायत की है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी को जैसे सांप सूंघ गया है और फिर अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि श्रीमती शशि सिंह अपने झूठ और ठगी के दम पर सांसद बनने के लिए जनता के बीच जा रही हैं। लेकिन इनकी और कांग्रेस के लूट चरित्र से सभी वाकिफ हैं। जनता जानती है कि ये कांग्रेस चोला ओढ़कर झूठे वादे कर वोट लेने के बाद सत्ता में आती है तो सिर्फ जनता को लूटने का काम करती है। मां गंगा की सौगंध खाकर शराबबंदी नहीं कर महिलाओं के साथ कांग्रेस ने बड़ा धोखा तो किया ही साथ ही शराब घोटाला, कोयला घोटाला, डीएफएफ घोटाला सहित कई भ्रष्टाचार को अंजाम दिया।

इसके बदले जनता ने आज कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ फेंका और मोदी की गारंटी पर विश्वास करते हुए बीजेपी को सेवा करने का मौका दिया। इस बार कांग्रेस के सभी लोकसभा प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो जाएगी। इस बार फिर जनता पीएम को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के संकल्पित हैं।

राज्य कर विभाग: जीएसटी कलेक्शन 20 हजार करोड़ रूपए पार

रायपुर. राज्य कर विभाग ने पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में 20,000 करोड़ टैक्स कलेक्शन के माइल स्टोन को पार कर लिया। विभाग ने कुल 20,361 करोड़ रुपए जीएसटी और वैट जमा कराया। पिछले वर्ष की तुलना मे जीएसटी में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जो राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। प्रवर्तन शाखा द्वारा केवल अंतिम तीन महीनो में 45 व्यवसायियों की जांच से 32 करोड़ रुपए जमा कराये, 14 बोगस फर्मों का भंडाफोड़ किया और ई वे बिल जांच से 8 करोड़ 61 लाख की टैक्स और पेनल्टी जमा कराई गई। स्टेट जीएसटी विभाग द्वारा कर चोरी रोकने के लिए एडवांस आई टी टूल्स का उपयोग किया जा रहा है। विभाग द्वारा करदाताओं की सुविधा के लिए और राज्य में जीएसटी से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नस सेल का भी गठन किया गया है। इसी तारतम्य में जीएसटी की टोल फ्री हेल्पलाइन भी शुरू की गई है। राज्य कर आयुक्त द्वारा चेम्बर ऑफ कॉमर्स, टैक्स बार एसोसिएशन, चार्टर्ड अकाउंटेंट तथा अन्य सभी व्यावसायिक संगठनो और छोटे व्यापारियों से लगातार संवाद हेतु एक आउटरिच कार्यक्रम भी घोषित किया है, जिसके अंतर्गत राज्य कर आयुक्त खुद महीने में तीन बार इन संगठनों के साथ बैठक करेंगे साथ ही वृत्त और जिला स्तर पर भी संयुक्त आयुक्त स्तर के अधिकारी व्यापारियों से मिल कर उनकी समस्याओं को जानेंगे और उन्हे दूर करने का प्रयास करेंगे। विभाग, कर प्रशासन को साफ और पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य कर आयुक्त द्वारा सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे नियमों के अनुरूप और राजस्व हित मे ही कार्य करें। कार्य मे लापरवाही और अनियमितता की शिकायत पर आयुक्त द्वारा महासमुंद के राज्य कर अधिकारी श्री नन्द कुमार कुर्रे को निलंबित कर दिया गया है। चुनाव में मतदाताओं को प्रभावित करने हेतु बांटे जाने वाले वस्तुओं के परिवहन की जांच के लिए ओड़ीशा राज्य की अंतरराज्यीय सीमा पर अवस्थित चेक पोस्ट पर ड्यूटि के दौरान कुर्रे द्वारा अनियमितता किए जाने की शिकायत मिली थी जिसे गंभीरता से लेते हुये प्रारम्भिक जांच पश्चात आयुक्त ने उन्हे निलंबित किया है। निलंबन के दौरान उनका मुख्यालय संभाग एक रायपुर होगा। राज्य कर आयुक्त द्वारा संयुक्त आयुक्त राज्य कर रायपुर संभाग एक एवं दो की दिनांक 18 एवं 19 अप्रैल को ली गई समीक्षा बैठक में संयुक्त आयुक्तों को भी निर्देशित किया गया कि वें भी अपने अधीनस्थ अधिकारियों पर प्रशासनिक नियंत्रण रखें और कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही करें। संयुक्त आयुक्त राज्य कर रायपुर संभाग एक द्वारा दो राज्य कर निरीक्षकों सुश्री दीपा उधवानी तथा विमल खांडेकर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

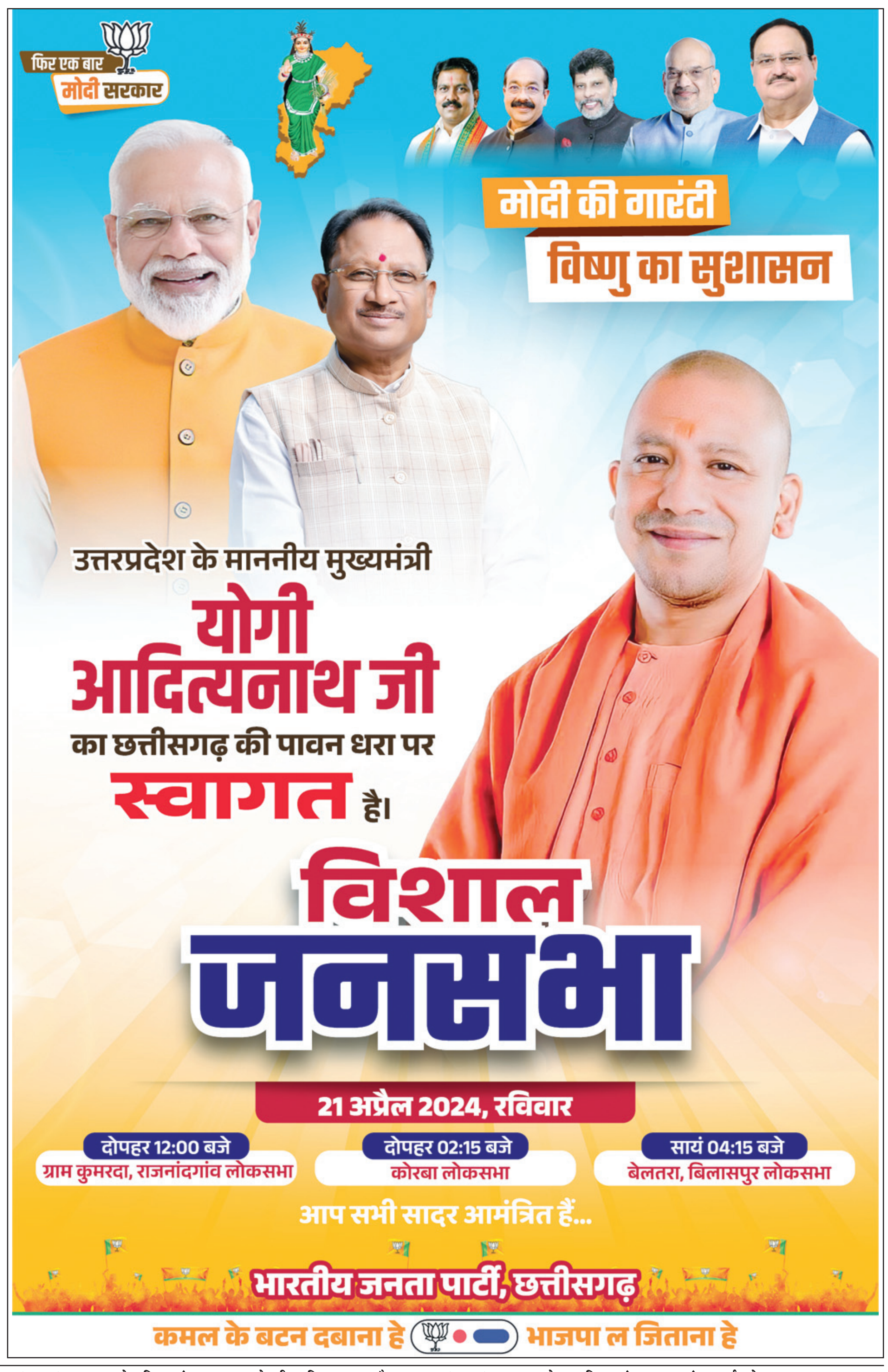

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.